(पौष माह) वर्ष-10, अंक 196, पृष्ठ- 8, मूल्य : 02 रुपये

प्रयागराज मंगलवार 15 अक्टूबर, 2024

TM

नगर संस्करण

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष मे प्रसारित

Adhunik Samachar

जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार का होगा जीर्णोद्धार, कानून मंत्री बोले- सर्वे रिपोर्ट का हो रहा इंतजा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। ओडिशा के पुरी में भगवान जगन्नाथ मंदिर का प्रतिष्ठित खजाना 'रत्न भंडार' 14 जुलाई को खोला गया था। मंदिर प्रशासन ने किया था। ओडिशा के कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने कहा कि रत्न भंडार की तकनीकी सर्वेक्षण रिपोर्ट जल्द ही जारी होने की संभावना है। इसके बाद जीर्णोद्धार का काम पुरी में भगवान जगन्नाथ मंदिर का प्रतिष्ठित खजाना 'रत्न भंडार' 14 जुलाई को खोला गया था। मंदिर प्रशासन ने रत्न भंडार के बाहरी और भीतरी चैंबरों से सभी मूल्यवान सामान और आभूषण हटा दिए थे और उन्हें मंदिर परिसर के भीतर एक अस्थायी कमरे में सुरक्षित रखा गया था। इसके बाद एएसआई ने मंदिर के रत्न भंडार का सर्वे किया था। यह तकनीकी सर्वे 23 सितंबर को पूरा हुआ था। अब तकनीकी सर्वेक्षण की रिपोर्ट आने के बाद यहां मरम्मत और जीर्णोद्धार का काम शुरू किया जाएगा। सरकार ने इसकी तैयारी कर ली है। इससे पहले रत्न भंडार को सन 1978 में खोला गया था। भाजपा ने ओडिशा में सत्ता में आने पर 12वीं सदी के मंदिर के खजाने को फिर से खोलने का वादा किया था। इसे दोबारा खोलना राज्य में लोकसभा और विधानसभा चुनावों के दौरान एक प्रमुख राजनीतिक मुद्दा था। इससे पहले रत्न भंडार 1905, 1926 और 1978 में खोला गया था और बेशकीमती चीजों की लिस्ट बनाई गई थी।

रत्न भंडार के बाहरी और भीतरी चैंबरों से सभी मूल्यवान सामान और आभूषण हटा दिए थे। पुरी के जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार का जीर्णोद्धार कराने के लिए ओडिशा सरकार ने तैयारी कर ली है। इसके लिए रत्न भंडार को खोलकर उसका भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने सितंबर में रत्न भंडार का ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रडार (जीपीआर) सर्वेक्षण सहित अभ्यास शुरू होगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को अगले तीन से चार दिनों में जीपीआर सर्वेक्षण रिपोर्ट मिल जाएगी। यदि कीमती सामानों का भंडारण पाया जाता है, तो हम आवश्यक कार्रवाई करेंगे। अन्यथा एएसआई रत्न भंडार की मरम्मत और जीर्णोद्धार का काम शुरू कर देगा। जीर्णोद्धार कार्य पूरा होने के बाद कीमती सामान रत्न भंडार में वापस ले जाया जाएगा।ओडिशा के

गौशाला में भंडारा कर किया नवरात्रि महोत्सव का समापन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र । नवरात्रि महोत्सव में नौ दिन मां दुर्गा की पूजा करने के बाद मंदिर परिसर में रविवार को पूजा सेवा समिति ब्रम्हनगर द्वारा मां दुर्गा की पूजा कलश स्थापना करते हुए नौ दिन किया गया। शनिवार को कलश विसर्जन शोभा यात्रा के माध्यम से कलश विसर्जन करते हुए रविवार को मां दुर्गा मंदिर परिसर में भक्तों के लिए भंडारे का आयोजन किया गया। इसी क्रम में आज गौशाला में भंडारा करते हुए गौमाता को भोग प्रसाद खिलाकर नवरात्रि महोत्सव का समापन किया गया। इस मौके पर जय मां दुर्गा पूजा सेवा समिति ब्रम्हनगर कमेटी के मुख्य व्यवस्थापक विष्णु दूबे, अशोक कुमार, रमेश कुमार, राहुल सहित कमेटी के भक्त उपस्थित थे।

मां का भंडारा करते हुए जय मां दुर्गा पूजा सेवा समिति ब्रम्हनगर कमेटी ने सोमवार को नगर पालिका परिषद रावर्टसगंज द्वारा संचालित गौशाला में किया भंडारा। जय मां दुर्गा पूजा सेवा समिति के अध्यक्ष गिरीश पाण्डेय की अगुवाई में कमेटी के मुख्य यजमान अनुपम तिवारी ने बाकायदा गौमाता को चंदन तिलक कर माल्यार्पण किया और गौमाता को भोजन कराया। गिरीश पाण्डेय ने कहा कि पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जय मां दुर्गा

4 साल बाद भी आधे गांव में नल तक नहीं लग पाया है,आप

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। आम आदमी पार्टी सोनभद्र के कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष रमेश गौतम और विधान सभा अध्यक्ष दिनेश पटेल के साथ जल जीवन मिशन अधिशाषी अभियंता/मिशन संचालक सोनभद्र को हर घर नल जल से संबंधित समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा। जिलाध्यक्ष रमेश गौतम ने कहा प्रधानमंत्री मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से और योगी आदित्यनाथ स्वयं सोनभद्र आकर 22 को फीता काटकर 2892 करोड़ के जल जीवन मिशन की शुभारंभ किया था और जनता को आश्वासन दिया था कि यह परियोजना मार्च 2024 तक पूरी तरह से तैयार हो जाएगी, जिससे हर घर नल जल पहुंचेगा, लेकिन आज 4 साल बाद भी आधे गांव में नल तक नहीं लग पाया है, कई क्षेत्र में पाइप बिछाने के लिए खुदाई हो रही है। आवाज उठाने पर ग्रामीणों और कार्यकर्ताओं को प्रशासन से धमकी मिलती हैं। रॉबर्ट्सगंज विधान सभा अध्यक्ष दिनेश पटेल ने कहा हर घर नल जल के सप्लाई के समय में बदलाव होना चाहिए। जहां नल लगा है वहां भी कई नलों से दूषित पानी आने की सूचना मिली है। जहा पानी आ रहा वहा ऐसे समय पर आ रहा है, कभी 10 बजे कभी 11बजे, जब किसान मजदूर अपने कामों पर चले जाते है। आवाज उठाने पर ग्रामीणों को विभाग द्वारा पुलिस प्रशासन का भय दिखाया गया है। अगस्त माह में कई आम आदमी पार्टी कार्यकर्ताओं के घर तक पुलिस गई थी। आज के कार्यक्रम में जशवंत मौर्या संयुक्त जिला महासचिव,दिनेश मौर्या वि0स0 महासचिव, राजेश प्रधान, अनवर अली, परदेशी पटेल, नागेंद्र मौर्या,मनोज डे,सुरेंद्र पटेल, प्रेम नाथ कनौजिया आदि शामिल रहे।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

कौशलं बलम्

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी

फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड

कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है।

रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज,पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

(वरिष्ठ आई.पी.एस.) श्री अविनाश चन्द्रा
महानिदेशक
अग्निशमन सुरक्षा एवं आपात सेवा उत्तर प्रदेश

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

Enjoy Publicity

ब्रिटिश संसद हाउस ऑफ लॉर्ड्स को बतौर मुख्य वक्ता संबोधित कर प्रयागराज लौटने पर अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन द्वारा स्वागत और अभिनंदन किया गया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। ब्रिटिश संसद हाउस ऑफ लॉर्ड्स को बतौर मुख्य वक्ता संबोधित कर प्रयागराज लौटने पर इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति शेखर कुमार यादव का आज दिनांक 13 अक्टूबर 2024 को यमुनापार करमा बाजार में अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन द्वारा स्वागत और अभिनंदन किया गया। अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन प्रयागराज जमुनापार ने समारोह आयोजित कर न्यायमूर्ति शेखर कुमार यादव को सम्मानित किया। न्यायमूर्ति शेखर कुमार यादव को ब्रिटेन सरकार ने ट्रेलब्लेजर ऑफ इंडिया पायनियरिंग द पाथ टू विकसित भारत 2047 विषयक व्याख्यान के लिए 18 सितंबर को आमंत्रित किया था। इस मौके पर न्यायमूर्ति यादव ने ब्रिटिश संसद में दिए व्याख्यान को अधिवक्ताओं के बीच साझा भी किया। उन्होंने ब्रिटिश संसद में कहा था कि विदेशी ताकतों ने देश को कई बार लूटा लेकिन संस्कृति और आदर्शों के कारण भारत अब भी मजबूती से न सिर्फ खड़ा है अपितु आगे भी बढ़ा है। एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश तोमर जी ने न्यायमूर्ति श्री शेखर कुमार यादव का माल्यार्पण कर स्वागत किया। सभा का संचालन अंतर्राष्ट्रीय प्रकोष्ठ सलाहकार हसन नकवी द्वारा किया गया । इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश प्रभारी उदय प्रताप, महानगर महामंत्री प्रयागराज मंडल अभिनव केसरवानी , महिला प्रकोष्ठ अधिकारी सपना कुमारी, करछना तहसील अध्यक्ष कन्हैयालाल,अधिवक्ता राशिद सिद्दीकी तथा सैकड़ो सदस्य व पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम के पश्चात श्याम ग्रुप की तरफ से मुख्य अतिथि के रूप में आगमन किए जाने पर शाम ग्रुप के द्वारा आयोजित किए गए प्रतियोगिता में जीतने वाले प्रतिभागी छात्र एवं छात्राओं को माननीय न्यायमूर्ति श्री शेखर कुमार यादव द्वारा मोमेंटो मेडल एवं साइकिल देकर पुरस्कृत किया गया।

जिले के राम गांव थाना क्षेत्र के रेहुआ मंसूर गांव की प्रतिमा रविवार शाम को विसर्जन के लिए रवाना हुई

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
बहराइच । जुलूस हरदी थाना क्षेत्र के महाराजगंज बाजार में पहुंची। बाजार निवासी अब्दुल हमीद के घर के सामने से निकल रहे जुलूस में लोग जयकारा लगा रहे थे। इसी दौरान मूर्तियों पर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने पथराव शुरू कर दिया। पथराव के बीच ही उपद्रवियों ने गोली चला दी। गोली लगने से रेहुआ मंसूर गांव निवासी राम गोपाल मिश्रा (22) पुत्र कैलाश नाथ उर्फ पुताई घायल हो गए। उन्हें गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। लेकिन मेडिकल कॉलेज बहराइच में इलाज के दौरान मौत हो गई। यह सूचना महाराज गज बाजार पहुंची तो लोगों ने वाहनों में

तोड़फोड़ कर आग लगा दिए। चार मकान जलाकर राख हो गई। मौके पर कई थानों की पुलिस फोर्स के साथ पीएससी के जवान पहुंचे हैं। लेकिन गांव के लोगों ने चारों तरफ कई लोगों को घेर रखा है। मूर्तियों का विसर्जन रोक दिया गया है। मेडिकल कॉलेज के सामने शव रखकर मृतक के परिजनों ने धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। शहर की प्रतिमाओं का विसर्जन रोक दिया गया है। इसके अलावा फखरपुर, राम गांव, कैसरगंज क्षेत्र की दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन रोक दिया गया है। आधे जिले में घटना से अफरा तफरी मच गई है। पुलिस लोगों को समझाने का काम आकर रही है। लेकिन कुछ उपाय नहीं सूझ रहा है।

दशहरे पर व्यापारियों ने किया शस्त्र पूजन, बोले- भगवान राम हमारे आदर्श

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। प्रयागराज व्यापार मंडल की ओर से दशहरे पर शस्त्र पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सिविल लाइंस के पृथ्वी गार्डन में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व विधायक संजय गुप्ता सहित बड़ी संख्या में व्यापारियों ने शस्त्र पूजन किया। विधि विधान से शस्त्रों की पूजा के साथ ही भगवान राम की आरती उतारी गई। एक दूसरे को दशहरे की शुभकामनाएं दी गईं पूर्व विधायक संजय गुप्ता ने कहा कि व्यापारी शस्त्र और शास्त्र दोनों की पूजा करते हैं। भगवान राम हमारे आराध्य और आदर्श हैं। विजय दशमी के मौके पर हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी परंपरा का निर्वहन करते हुए शस्त्र पूजन किया गया।

गया। सिविल लाइंस के पृथ्वी गार्डन में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व विधायक संजय गुप्ता सहित बड़ी संख्या में व्यापारियों ने शस्त्र पूजन किया। प्रयागराज व्यापार मंडल की ओर से दशहरे पर शस्त्र पूजन

सड़क किनारे अफरा-तफरी, हाइटेंशन तार की जद में आया डंपर, सड़क किनारे धू-धू कर जलने लगा वाहन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। चंदौली के सिंधिताली के समीप सड़क पर जा रहा डंपर अचनाक हाईटेंशन तार की चपेट में आ गया। डंपर में आग लग गई और चालक झुलस गया। मौके पर अफरा तफरी मच गई। स्थानीय नागरिकों ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी और आग पर काबू पर लिया गया। डंपर चालक का इलाज जारी है।चंदौली के नियामताबाद स्थित अलीनगर थाना क्षेत्र के सिंघीताली के समीप सोमवार को एक डंपर हाईटेंशन तार की जद में आ गया। इससे डंपर में बिजली करंट प्रवाहित होने के कारण उसमें आग लग गई। जिससे केबिन का हिस्सा धू-धूकर जलने लगा। इस घटना में चालक भी इसकी चपेट में आ गया। घटना के बाद अफरातफरी मच गई। किसी तरह चालक को केबिन से निकालकर बीएचयू ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया। जहां उसका इलाज चल रहा है। जबकि सूचना पर पहुंचे फायरब्रिगेड कर्मियों ने आग पर काबू पाया।सोनभद्र निवासी चालक 35 वर्षीय सोनू डंपर लेकर जा रहा था। उसी दौरान सिंघीताली के पास नीचे लटक रहे 11 हजार वोल्ट के हाईटेंशन तार से डंपर छू गया। इससे डंपर में बिजली करंट उतर गया और केबिन का हिस्सा जलने लगा। जिससे चालक इसकी चपेट में आ गया।घटना के बाद अफरातफरी मच गई। किसी तरह चालक को बाहर निकालकर बीएचयू ट्रामा सेंटर भेजा गया। उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। इस बाबत अलीनगर थाना प्रभारी निरीक्षक विनोद मिश्रा ने बताया कि हाईटेंशन तार से छू जाने से डंपर में आग लगी थी।

मकान का काम करते समय ऊपरी हिस्से से गिरा राजगीर मिस्त्री, सिर के उड़े चिथड़े; तोड़ा दम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। के कैंट क्षेत्र में सोमवार को मकान का काम कर रहे राजगीर मिस्त्री की ऊपरी हिस्से से गिरने से मौत हो गई। घटना की जानकारी होते ही परिवार में कोहराम मच गया। वाराणसी जिले के कैंट थाना क्षेत्र के टकटकपुर में एक मकान में काम कर रहे राजगीर मिस्त्री की गिरकर मौत हो गई। रिटायर्ड कर्मचारी अजय श्रीवास्तव के मकान में वह ग्रिल का काम कर रहा था। जहां से वह असंतुलित होकर सीधे गली में सिर की तरफ गिरा, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। राजगीर मिस्त्री विनय कुमार (35) के साथ ही दो लेबर व मिस्त्री और काम कर रहे थे। विनय के गिरने के बाद वह दौड़ कर नीचे आए, लेकिन सिर के तरफ से गिरने के चलते बुरी तरह जख्मी हो गया था। राजगीर मिस्त्री के सिर से काफी खून बह गया, जिससे मौके पर ही उसने दम तोड़ दिया। वह मड़वा का रहने वाला था। विनय की मौत की खबर सुनते ही उसकी पत्नी बसंती भी दौड़ कर मौके पहुंची और दहाड़े मारकर रोने लगी। उसका एक बेटा राहुल है।

काशी विश्वनाथ मंदिर में स्पर्श दर्शन शुरू, बदलेगी जलधरी की डिजाइन; गर्भगृह में एक-एक को मिलेगा प्रवेश

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। काशी विश्वनाथ धाम के गर्भगृह में भीड़ बेकाबू होने पर श्रद्धालु के अरघे में गिरने के बाद स्पर्श दर्शन में की व्यवस्था में बदलाव किए गए हैं। अब स्पर्श दर्शन के लिए श्रद्धालुओं को एक-एक करके गर्भगृह में प्रवेश दिया जाएगा। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में पांच दिनों के बाद स्पर्श दर्शन शुरू हो गया। सख्त नियमों के साथ ही दर्शन की व्यवस्था को शुरू किया गया है। स्पर्श दर्शन के लिए श्रद्धालुओं को एक-एक करके गर्भगृह में प्रवेश दिया जाएगा। इसके साथ ही मंदिर में तैनात सुरक्षाकर्मियों की हर दो घंटे पर ड्यूटी बदलेगी।मंदिर प्रशासन ने दर्शन पूजन की व्यवस्थाओं में कई बदलाव किए हैं। गर्भगृह में दर्शन पूजन के दौरान अब नियमित रूप से डेढ़ फीट का अरघा लगाकर ही आम श्रद्धालुओं को प्रवेश दिया जाएगा। इसके साथ ही झांकी दर्शन के दौरान लगने वाली जलधरी की डिजाइन में भी बदलाव किया जा रहा है। अब मंदिर में स्थायी जलधरी लगाई जाएगी ताकि उसे बार-बार निकालने और लगाने की जरूरत नहीं होगी।

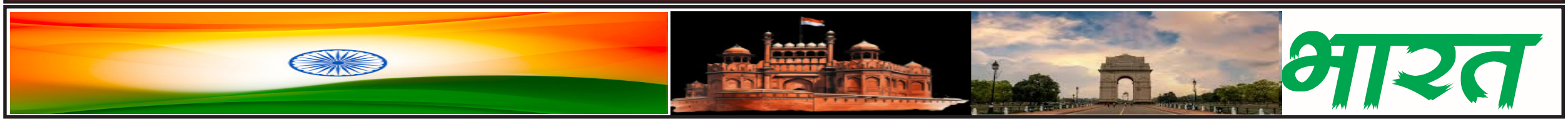

संक्षिप्त समाचार

डॉक्टरों की हड़ताल को एफएआईएमए ने दिया समर्थन, देशभर के अस्पतालों में कल बाधित रहेंगी सेवाएं

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। एफएआईएमए ने रविवार को पश्चिम बंगाल के डॉक्टरों की हड़ताल के साथ एकजुटता दिखाई और सोमवार को देशभर के अस्पतालों में वैकल्पिक सेवाओं को बंद करने

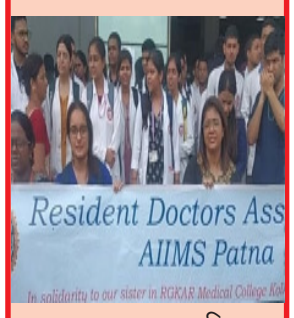

का आह्वान किया। एफएआईएमए देशभर के रेजीडेंट डॉक्टरों के संघों का प्रतिनिधित्व करने वाली संस्था है।अखिल भारतीय चिकित्सा महासंघ (एफएआईएमए) ने रविवार को पश्चिम बंगाल के डॉक्टरों की हड़ताल के साथ एकजुटता दिखाई और सोमवार को देशभर के अस्पतालों में वैकल्पिक सेवाओं को बंद करने का आह्वान किया। एफएआईएमए देशभर के रेजीडेंट डॉक्टरों के संघों (आरडीए) का प्रतिनिधित्व करने वाली संस्था है। संगठन के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह फैसला एफएआईएमए की शनिवार को हुई बैठक के बाद लिया गया। हालांकि, इस संगठन ने सभी रेजीडेंट डॉक्टरों के संघों से अनुरोध किया है कि वे आपातकाली सेवाओं को चौबीस घंटे चालू रखें। एफएआईएमए ने कहा कि वे पश्चिम बंगाल के जूनियर डॉक्टरों के साथ पूरी एकजुटता के साथ खड़े हैं। एफएआईएमए ने एक खुले पत्र में कहा, विस्तृत चर्चा के बाद हमने सर्वसम्मति से फैसला लिया है कि अब राष्ट्रीय स्तर पर एकजुट होना जरूरी है।

आंध्र प्रदेश में बनेगी नई मिसाइल परीक्षण रेंज, सुरक्षा कैबिनेट समिति ने दी प्रस्ताव को मंजूरी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

आंध्र प्रदेश। नई मिसाइल परीक्षण रेंज में सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल, एंटी टैंक मिसाइल और डीआरडीओ के सामरिक मिसाइल सिस्टम का परीक्षण किया जाएगा। आंध्र

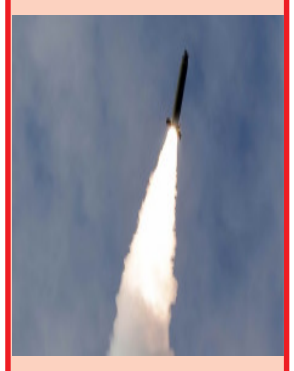

प्रदेश में नई मिसाइल परीक्षण रेंज बनाई जाएगी। भारत सरकार की सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दी है। बताया जाता है कि नई रेंज आंध्र प्रदेश के नागयालंका क्षेत्र में बनाई जाएगी। इसके बाद देश में मिसाइलों के परीक्षण में तेजी आएगी। भारत को रक्षा क्षेत्र में मजबूत करने के लिए लगातार सरकार काम कर रही है। जहां एक ओर वैज्ञानिक नई-नई मिसाइल विकसित कर रहे हैं तो दूसरी ओर सरकार रक्षा क्षेत्र में नए प्रस्तावों पर मुहर लगा रही है। बताया जाता है कि नई मिसाइल परीक्षण रेंज में सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल, एंटी टैंक मिसाइल और डीआरडीओ की सामरिक मिसाइल सिस्टम का परीक्षण किया जाएगा। इससे पहले सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति ने नौसेना, सेना और वायुसेना के लिए दो परमाणु पनडुब्बियों के निर्माण और अमेरिका से 31 प्रीडेटर ड्रोन खरीदने की मंजूरी दी थी। इस बैठक में 80,000 करोड़ रुपये के प्रमुख सौदों को पारित किया गया था।

मुंबई से न्यूयॉर्क जा रहे एयर इंडिया के विमान में बम की धमकी; फ्लाइट दिल्ली डायवर्ट, सभी सुरक्षित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

मुंबई। एयर इंडिया के विमान को बम की धमकी के बाद दिल्ली डायवर्ट

किया गया है। न्यूयॉर्क जा रही इस फ्लाइट के सभी यात्री सुरक्षित बताए जा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, मुंबई से न्यूयॉर्क जा रहे एयर इंडिया के विमान को बम की धमकी के बाद सोमवार को दिल्ली एयरपोर्ट पर डायवर्ट कर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि सभी यात्री सुरक्षित हैं और आगे की जांच जारी है। मामले में दिल्ली पुलिस की ओर से भी बयान जारी किया गया। पुलिस के मुताबिक, एयर इंडिया के विमान को सुरक्षा कारणों से दिल्ली डायवर्ट कर दिया गया। विमान फिलहाल आईजीआई एयरपोर्ट पर है और यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी मानक सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन किया जा रहा है।

राज्यपाल आरिफ खान के दावों पर मुख्यमंत्री विजयन ने किया पलटवार, नकारात्मक अभियान चलाने का आरोप लगाया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। केरल के मुख्यमंत्री पिनरई विजयन ने रविवार को राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान पर जानबूझकर निजी हमले करने और राज्य के खिलाफ 'नकारात्मक

अभियान' चलाने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने राज्यपाल के उस आरोप पर भी प्रतिक्रिया दी, जिसमें उन्होंने कहा था कि विजयन ने उनके पत्र का जवाब देने में 27 दिन की देरी की।केरल के मुख्यमंत्री पिनरई विजयन ने रविवार को राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान पर जानबूझकर निजी हमले करने और राज्य के खिलाफ 'नकारात्मक अभियान' चलाने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने राज्यपाल के उस आरोप पर भी प्रतिक्रिया दी, जिसमें उन्होंने कहा था कि विजयन ने उनके पत्र का जवाब देने में 27 दिन की देरी की। विजयन ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों पर विचार न करने की आदत पर चिंता जताई है। विजयन ने राज्यपाल को लिखे एक पत्र में कहा कि उन्होंने केरल में किसी भी तरह की अवैध गतिविधियों का जिक्र नहीं किया है। इसलिए, सार्वजनिक रूप से इस तरह की 'गलत धारणाओं' को दोहराना राज्य और उसके निवासियों को बदनाम करने के लिए निरंतर नकारात्मक अभियान का हिस्सा है। उन्होंने कहा, मुझे खेद है कि आपके बार-बार बिना सबूत वाली मीडिया खबरों पर भरोसा करने का मकसद, केवल किसी न किसी तरीके से गलत आरोपों के लिए समर्थन हासिल करना है। मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि उन पर किए गए व्यक्ति हमलों के खिलाफ उन्हें सख्त विरोध और असहमति जतानी पड़ी। उन्होंने कहा, सरकार के पास छिपाने के लिए कुछ नहीं है। विजयन ने यह भी कहा कि उन्होंने कहा था कि सोने की तस्करी देश के खिलाफ एक अपराध है, क्योंकि यह देश की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करती है और संघ व राज्य को उसके वैध कर राजस्व से वंचित करती है।

जापानी और विदेशी साहित्य की बढ़ी मांग; वहां की सभ्यता-लोक संस्कृति को जानना चाहते हैं युवा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। पैन मैकमिलन इंडिया के स्टॉल पर सिपोन मिस्त्री के अनुसार, इस बार युवाओं के बीच जापानी लेखकों की पुस्तकों की मांग बहुत बढ़ी है। शिलांग पुस्तक मेले में भारत ही नहीं, उन्हें बड़े-बड़े विदेशी साहित्यकारों की पुस्तकें आसानी से मिल रही हैं। शिलांग पुस्तक मेले में जापानी लेखकों की पुस्तकों के प्रति रुचि देखी जा रही है। 13 अक्तूबर तक स्टेट सेंट्रल लाइब्रेरी, शिलांग में चल रहे नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया के इस पुस्तक मेले में भारतीय लेखकों के साथ-साथ विदेशी लेखकों की भी हजारों पुस्तकें हैं।पैन मैकमिलन इंडिया के स्टॉल पर सिपोन मिस्त्री के अनुसार, इस बार युवाओं के बीच जापानी लेखकों की पुस्तकों की मांग बहुत बढ़ी है। शिलांग पुस्तक मेले में भारत ही नहीं, उन्हें बड़े-बड़े विदेशी साहित्यकारों की पुस्तकें आसानी से मिल रही हैं। वे जापानी फिक्शन-नॉन फिक्शन को पसंद कर रहे हैं और सनका हिरागी, मीको कावाकामी, तोशिकाजू कावागुची और सोसुके नत्सुकावा जैसे मशहूर जापानी लेखकों की किताबों को अपने साथ ले जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि हमने पिछले साल बीटीएस की बियॉन्ड द स्टोरी की कई प्रतियां बेचीं। इस बार जापानी लेखकों को शीर्ष

स्थान मिल रहा है। हालांकि, अभी भी यह पुस्तक काफी लोकप्रिय है। जापानी उपन्यासों को पढ़ने के साथ-साथ युवा वहां की सभ्यता, लोक संस्कृति और जीवन को भी किताबों के माध्यम से समझना चाहते हैं।नेशनल बुक एजेंसी के सुजीत सिंह बताते हैं कि शिलांग के युवा इकिगाई 'जापानी सीक्रेट टू लॉन्ग एंड हैप्पी लाइफ और वाबी साबी' जापानी विजडम फॉर ए परफेक्टली इम्परफेक्ट लाइफ जैसे जापानी साहित्य को पढ़ना चाहते हैं। इस बार इनकी काफी मांग रही। सबसे लोकप्रिय जापानी लेखकों में से एक हारुकी मुराकामी के भी बहुत प्रशंसक हैं।

केंद्र ने राष्ट्रपति शासन हटाने का एलान किया, नए सीएम की नियुक्ति पर बदलेगा निजाम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर से राष्ट्रपति शासन हटाने का फैसला लिया है। हाल ही में 10 साल बाद कराए गए विधानसभा चुनाव के नतीजों की

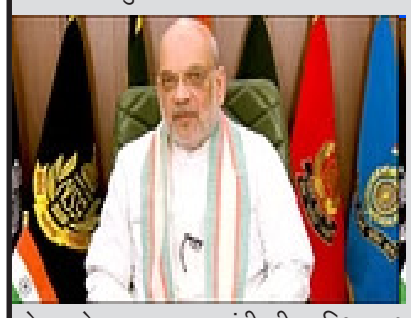

घोषणा के बाद नए मुख्यमंत्री की नियुक्ति का रास्ता साफ हुआ है। मुख्यमंत्री के शपथ से पहले गृह मंत्रालय ने राज्य के लिए लागू आदेश को निष्प्रभावी करने की घोषणा की।केंद्रीय गृह मंत्रालय ने जम्मू-कश्मीर से राष्ट्रपति शासन हटाने की घोषणा की। इस फैसले के बाद प्रदेश में नए मुख्यमंत्री की नियुक्ति का रास्ता साफ हो गया है। रविवार देर रात गृह मंत्रालय की तरफ से जारी बयान में कहा गया कि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के संबंध में 31 अक्टूबर, 2019 को जारी आदेश तुरंत निरस्त हो जाएगा। बयान के मुताबिक जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 की धारा 54 के तहत मुख्यमंत्री की नियुक्ति से पहले ही नए नियम प्रभावी हो जाएंगे।बता दें कि जम्मू-कश्मीर विधानसभा में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी नेशनल कॉन्फ्रेंस (ग्ण्) और सहयोगी पार्टियां मिलकर सरकार बना रही हैं। उन्होंने उपराज्यपाल के पास जाकर विधायकों के समर्थन का पत्र सौंप दिया है। राजभवन की तरफ से उन्हें सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया गया है।

रेलवे ट्रैक से छेड़छाड़ के पहलू पर भी जांच करेगी, बागमती एक्स. हादसे के बाद फैसला

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। मैसूर से दरभंगा जा रही बागमती एक्सप्रेस (12578) तमिलनाडु के कावरापेट्टई स्टेशन के पास शुक्रवार को मालगाड़ी से टकरा गई थी। इस हादसे में कई लोग घायल हुए थे। लूप लाइन पर

खड़ी मालगाड़ी से पीछे से टकराने के बाद इंजन समेत 12 डिब्बे पटरी से उतर गए थे। चेन्नई के कावरापेट्टई रेलवे स्टेशन के पास बागमती एक्सप्रेस हादसे को लेकर रेलवे ने जांच शुरू कर दी है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) रेलवे ट्रैक से छेड़छाड़ के पहलू पर भी जांच करेगी। इसके अलावा रेलवे सुरक्षा आयुक्त को मामले की वैधानिक जांच सौंपी गई है। हादसे को लेकर लोको पायलट समेत तमाम जिम्मेदारों से 16, 17 अक्तूबर को चेन्नई में पूछताछ होगी। रेलवे ने कहा कि दुर्घटना या संबंधित मामलों के बारे में जानकारी रखने वाला कोई भी व्यक्ति आयुक्त को साक्ष्य प्रदान कर सकता है।मैसूर से दरभंगा जा रही बागमती एक्सप्रेस (12578) तमिलनाडु के कावरापेट्टई स्टेशन के पास शुक्रवार को मालगाड़ी से टकरा गई थी। इस हादसे में कई लोग घायल हुए थे। लूप लाइन पर खड़ी मालगाड़ी से पीछे से टकराने के बाद इंजन समेत 12 डिब्बे पटरी से उतर गए थे। मामले में रेलवे ने जांच शुरू कर दी है। बंगलूरू दक्षिणी सर्किल के रेलवे सुरक्षा आयुक्त एएम चौधरी दुर्घटना की वैधानिक जांच करेंगे। वहीं मामले में एनआईए के अधिकारी यह जांच कर रहे हैं कि क्या दुर्घटना किसी तोड़फोड़ गतिविधि के कारण हुई थी? इसे लेकर एनआईए के एक अधिकारी ने दुर्घटना स्थल का प्रारंभिक निरीक्षण कर लिया है।रेलवे सूत्रों ने बताया कि सिग्नल एवं टेलीकॉम, इंजीनियरिंग और परिचालन विभाग के वरिष्ठ रेलवे अधिकारियों की टीम ने कावराइपेट्टई रेलवे स्टेशन पर दुर्घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद तोड़फोड़ की गंभीर आशंका जताई है। रेलवे पुलिस ने भी दुर्घटना का मामला दर्ज किया है दक्षिण रेलवे के महाप्रबंधक आरएन सिंह ने हादसे के बारे में बताया था कि जब लोग घायल हुए थे। लूप लाइन पर खड़ी मालगाड़ी से पीछे से टकराने के बाद इंजन समेत 12 डिब्बे पटरी से उतर गए थे। चेन्नई के कावरापेट्टई रेलवे स्टेशन के पास बागमती एक्सप्रेस हादसे को लेकर रेलवे ने जांच शुरू कर दी है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) रेलवे ट्रैक से छेड़छाड़ के पहलू पर भी जांच करेगी। इसके अलावा रेलवे सुरक्षा आयुक्त को मामले की वैधानिक जांच सौंपी गई है। हादसे को लेकर लोको पायलट समेत तमाम जिम्मेदारों से 16, 17 अक्तूबर को चेन्नई में पूछताछ होगी। रेलवे ने कहा कि दुर्घटना या संबंधित मामलों के बारे में जानकारी रखने वाला कोई भी व्यक्ति आयुक्त को साक्ष्य प्रदान कर सकता कर्नाटक के मैसूर से बिहार के दरभंगा तक जाने वाली बागमती एक्सप्रेस ट्रेन का रूट- आंध्र प्रदेश और ओडिशा के रास्ते निर्धारित है। शुक्रवार को जब ट्रेन कावरापेट्टई स्टेशन से गुजर रही थी, उसी समय एक मालगाड़ी लूप लाइन पर खड़ी थी। उसे प्राथमिकता दी गई। बागमती एक्सप्रेस को बिना रुके मुख्य लाइन से गुजरना था, क्योंकि इस स्टेशन पर निर्धारित स्टॉप नहीं है। मुख्य लाइन के लिए सिग्नल भी दिए जा चुके थे। हालांकि, मुख्य लाइन के लिए सिग्नल होने के बावजूद, ट्रेन लूप लाइन में घुस गई, जो असामान्य घटना है। हालांकि लोको पायलट और सहायक लोको पायलट दोनों सुरक्षित हैं।

मरीन लाइंस कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक हुआ बाबा सिद्दीकी का शव राजकीय सम्मान के साथ विदाई

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

महाराष्ट्र। राकांपा नेता बाबा सिद्दीकी के शव को रविवार शाम मुंबई के मरीन लाइंस कब्रिस्तान में राजकीय सम्मान के साथ सुपुर्द-ए-खाक किया गया। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में विभिन्न दलों के प्रमुख नेता,

हस्तियां और आम लोग मौजूद रहे।राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता बाबा सिद्दीकी के शव को रविवार की शाम मुंबई के मरीन लाइंस कब्रिस्तान में राजकीय सम्मान के साथ सुपुर्द-ए-खाक किया गया। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में विभिन्न दलों के प्रमुख नेता, हस्तियां और आम लोग मौजूद रहे। इससे पहले उनके घर के बाहर जनाजे की नमाज अदा की गई। शनिवार की रात सिद्दीकी पर गोलीबारी की गई थी। जिसके बाद उन्हें मुंबई के लीलावती अस्पताल में भर्ती कराया गया। लेकिन थोड़ी ही देर में उन्होंने दम तोड़ दिया था।

भारत-यूएस मिलकर मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियों से निपट सकते हैं, पूरी दुनिया को होगा फायदा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। डॉ. विवेक मूर्ति ने कहा कि बीते छह दशकों से अमेरिका और भारत ने साथ मिलकर चेचक, पोलियो, एचआईवी, तपेदिक और

कोविड-19 जैसी स्वास्थ्य चुनौतियों पर काम किया है और अब मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी ऐसा ही करने की जरूरत है। जहां हम एक-दूसरे से सीख सकते हैं, कार्यक्रमों पर सहयोग कर सकते हैं और एक-दूसरे का समर्थन कर सकते हैं। अमेरिका के सर्जन जनरल डॉ. विवेक मूर्ति का कहना है कि मानसिक स्वास्थ्य एक अहम मुद्दा है। इसमें प्राथमिकता से तेजी लाने का वक्त आ पहुंचा है, क्योंकि इसके नतीजे बेहद गंभीर हो रहे हैं। इसकी चुनौतियों से भारत और अमेरिका मिलकर निपट सकते हैं। मूर्ति ने कहा कि बीते छह दशकों से अमेरिका और भारत ने साथ मिलकर चेचक, पोलियो, एचआईवी, तपेदिक और कोविड-19 जैसी स्वास्थ्य चुनौतियों पर काम किया है और अब मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी ऐसा ही करने की जरूरत है। जहां हम एक-दूसरे से सीख सकते हैं, कार्यक्रमों पर सहयोग कर सकते हैं और एक-दूसरे का समर्थन कर सकते हैं। उनका मानना है कि इस सहयोग से न केवल दोनों देशों को बल्कि पूरे विश्व को फायदा हो सकता है। उन्होंने ये बातें राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान (निमहांस) के शुक्रवार को अपने दौरे के दौरान कहीं।

हत्यारोपी धर्मराज कश्यप नाबालिग नहीं, अस्थि परीक्षण से हुई पुष्टि पुलिस हिरासत में भेजा गया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

महाराष्ट्र। महाराष्ट्र पुलिस एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी हत्याकांड की जांच कर रही है। ताजा घटनाक्रम में अस्थि परीक्षण से इस बात की

पुष्टि हुई है कि हत्यारोपी धर्मराज कश्यप नाबालिग नहीं है। पुलिस ने बताया कि अस्थि परीक्षण कराने के बाद इस बात की पुष्टि हुई है। जानिए इस हाईप्रोफाइल केस की जांच से जुड़े ताजा अपडेट्स बाबा सिद्दीकी हत्याकांड की जांच कर रही पुलिस ने कहा है कि हत्या के आरोप में गिरफ्तार संदिग्ध धर्मराज कश्यप नाबालिग नहीं है। पुलिस के मुताबिक अस्थि परीक्षण से इस बात की पुष्टि होने के बाद धर्मराज को पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। दरअसल, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की हत्या के मामले की जांच कर रही मुंबई पुलिस ने आरोपी धर्मराज कश्यप का अस्थिकरण परीक्षण कराया। इससे यह साबित हुआ कि वह नाबालिग नहीं है। इससे पहले शनिवार को उपनगरीय बांद्रा में तीन हमलावरों ने बाबा सिद्दीकी की गोली मारकर हत्या कर दी थी। मुंबई पुलिस ने हरियाणा निवासी गुरमेल बलजीत सिंह (23) और उत्तर प्रदेश निवासी धर्मराज राजेश कश्यप (19) को गिरफ्तार किया था, जबकि गोलीबारी के दौरान मौके पर मौजूद उनका एक साथी मौके से फरार हो गया। मामले से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि आरोपियों को अपराध शाखा की टीम ने अदालत में पेश किया, जहां धर्मराज कश्यप के वकील ने दावा किया कि वह नाबालिग है। अधिकारी ने बताया कि अदालत ने रविवार को कश्यप का अस्थिकरण परीक्षण कराने का आदेश दिया, जिसमें यह साबित हुआ कि वह नाबालिग नहीं है। उन्होंने बताया कि उसे अदालत में पेश किया गया और 21 अक्तूबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। इस बीच देर शाम हुए घटनाक्रम में मुंबई पुलिस की अपराध शाखा ने पुणे से 28 वर्षीय प्रवीण लोनकर को गिरफ्तार किया है। वह निर्मल नगर फायरिंग मामले में शामिल शुभम लोनकर का भाई है। अधिकारी ने बताया कि दोनों भाइयों ने सिद्दीकी की हत्या की साजिश रची थी और इस साजिश में कश्यप और शिवकुमार गौतम को शामिल किया गया था। उन्होंने बताया कि आगे की जांच जारी है।बता दें कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (ग्झ्) नेता और पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी को मुंबई के वीवीआईपी इलाकों में शुमार बांद्रा में शनिवार रात करीब 9 बजे गोली मारी गई थी। लीलावली अस्पताल में डॉक्टरों ने उन्हें रात 11.27 बजे मृत घोषित कर दिया। इस मामले में विपक्षी राजनीतिक दल सरकारी इंतजाम और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर रहे हैं। बाबा सिद्दीकी को दी गई वाई श्रेणी की सुरक्षा के बावजूद इस तरीके से गोलियों से भूने जाने की घटना से बॉलीवुड सितारे भी सकते हैं। शुरुआती जांच के दौरान ही गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई गैंग का नाम सामने आया है। पुलिस मामले के हर पहलू की विस्तृत पड़ताल कर रही है।

खरगे के बेटे ने कर्नाटक सरकार को लौटाई जमीन, ट्रस्ट के लिए बेंगलूरू में आवंटित हुआ था प्लॉट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। इस पूरे घटनाक्रम को लेकर मल्लिकार्जुन खरगे के छोटे बेटे और कर्नाटक सरकार में मंत्री प्रियांक खरगे ने अपने 'एक्स' हैंडल

पर पत्र की स्कैन की गई प्रतियों के साथ जानकारी साझा की है।कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बेटे और सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट के अध्यक्ष राहुल एम खरगे ने बेंगलूरू में नागरिक सुविधा स्थल के लिए पांच एकड़ जमीन आवंटन के अपने अनुरोध को वापस ले लिया है। राहुल खरगे का यह फैसला मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की पत्नी पार्वती द्वारा मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण को 14 साइटों को वापस करने के बाद आया है। बता दें कि, इस मामले में लोकायुक्त पुलिस ने सिद्धारमैया, उनकी पत्नी और साले के खिलाफ मामला दर्ज किया था।भाजपा के आईटी विभाग के प्रभारी अमित मालवीय ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में साइट के आवंटन पर सवाल उठाए थे और इसे 'सत्ता का दुरुपयोग, भाई-भतीजावाद बताया था। भाजपा के राज्यसभा सदस्य लहर सिंह सिरोया ने भी 'एक्स' पर इस फैसले पर सवाल उठाते हुए कहा, खड़गे परिवार एयरोस्पेस उद्यमी कब बन गया कि उसे केआईएडीबी की जमीन मिल जाए? क्या यह सत्ता के दुरुपयोग, भाई-भतीजावाद नहीं है? बता दें कि, ट्रस्ट ने 12 फरवरी, 2024 को केआईएडीबी को अपना प्रस्ताव प्रस्तुत किया था और एक महीने बाद प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई थी। इस पूरे घटनाक्रम को लेकर मल्लिकार्जुन खरगे के छोटे बेटे और कर्नाटक सरकार में मंत्री प्रियांक खरगे ने अपने 'एक्स' हैंडल पर पत्र की स्कैन की गई प्रतियों के साथ जानकारी साझा की है। 20 सितंबर को कर्नाटक औद्योगिक विकास बोर्ड (केआईएडीबी) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को लिखे पत्र में राहुल खड़गे ने लिखा, मल्टी स्किल डेवलपमेंट सेंटर और एक शोध केंद्र स्थापित करने के लिए सिविक एमेनिटी साइट के लिए हमारे अनुरोध को वापस लिया गया है।उन्होंने कहा कि सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट का उद्देश्य छात्रों और बेरोजगार युवाओं के लिए प्रौद्योगिकियों में कौशल विकास के माध्यम से अधिक रोजगार के अवसर पैदा करना है। राहुल खड़गे ने कहा कि, प्रस्तावित मल्टी-स्किल डेवलपमेंट सेंटर का मुख्य उद्देश्य युवाओं को अधिक रोजगार योग्य बनाना और उन्हें कौशल और भविष्य के कौशल के साथ उद्योग के लिए तैयार करना है। इसे उन छात्रों की मदद करने के लिए भी डिज़ाइन किया गया है जो कॉलेज की शिक्षा हासिल करने में असमर्थ हैं। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट ने केआईएडीबी औद्योगिक क्षेत्र के भीतर एक साइट को प्राथमिकता दी क्योंकि यह उद्योगों के निकट है। जो युवा लोगों को अवसर प्रदान करेगा। उन्होंने बताया कि सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट एक सार्वजनिक शैक्षिक, सांस्कृतिक और धर्मार्थ ट्रस्ट है, न कि एक निजी या परिवार द्वारा संचालित ट्रस्ट।

मिर्ज़ापुर

धूमधाम से निकली कलश विसर्जन शोभा यात्रा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जय मां दुर्गा पूजा सेवा समिति ब्रम्हनगर पूजा परिसर में स्थापित मां दुर्गा के कलश की विदाई धूमधाम से करते हुए भक्तों ने निकाला कलश विसर्जन शोभा यात्रा। जय मां दुर्गा पूजा सेवा समिति ब्रम्हनगर कमेटी के अध्यक्ष गिरीश पाण्डेय ने बताया कि कलश विसर्जन में जय मां दुर्गा पूजा सेवा समिति ब्रम्हनगर कमेटी के भक्त एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु माताओं बहनों ने भाग लिया। कलश विसर्जन शोभा यात्रा ब्रम्हनगर से चलकर अकड़ हवा पोखरे तक पहुंची जहां कमेटी के मुख्य यजमान अनुपम अर्चना तिवारी ने मां के कलश को विधि-विधान से पूजन कर अकड़ हवा पोखरे में विसर्जित किया।

जगत जननी के जयघोष से गूंजा विंध्याचल धाम का कोना कोना

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

विंध्याचल। शारदीय नवरात्र के नवमी तिथि पर विंध्याचल माई के दरबार में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। गंगा स्नान कर श्रद्धालुओं ने देवी

धाम में हाजिरी लगाई। पहाड़ पर त्रिकोण परिक्रमा भी किया। भोर में मंगला आरती से लेकर रात तक मंदिर का कोना कोना मां की जय जयकार से गूंजता रहा।श्रद्धालु नारियल, चुनरी, माला, भोग प्रसाद लेकर धाम की तरफ जाने वाली कतारों में खड़े हो गए थे। भक्त माता के दिव्य स्वरूप का दर्शन कर विभोर हो उठे। काली खोह स्थित महाकाली मंदिर सहित अष्टभुजा पहाड़ पर विराजमान मां अष्टभुजी देवी और मां तारा देवी मंदिर जाकर बड़े श्रद्धा भाव से दर्शन पूजन किया। देर रात तक घंटा, घड़ियाल, शंख, नगाड़ा की ध्वनि के बीच नर, नारी और बच्चे मां का जय जयकार करते रहे। विंध्याचल मंदिर की छत पर साधक जगह-जगह बैठ वैदिक मंत्र उच्चारण के बीच साधना में तल्लीन रहे। भक्तों ने मंदिर के गुंबद की परिक्रमा करके पुण्य कमाया। मंदिरों में विधिवत दर्शन पूजन के बाद भक्त रेलवे स्टेशन, रोडवेज परिसर पर जाकर साधनों को पकड़कर अपने अपने घरों के लिए रवाना हुए।मां विंध्यवासिनी धाम के निकास द्वार से पुलिस कर्मियों के प्रवेश का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसे लेकर पंडा समाज में काफी आक्रोश है। शुक्रवार को अष्टमी और नवमी दोनों तिथि एक साथ होने पर मां विंध्यवासिनी के दरबार में लाखों श्रद्धालु पहुंचे। ऐसे में कई घंटे तक कतार में खड़े होकर आम श्रद्धालु दर्शन पूजन कर रहे थे। शुक्रवार सुबह सोशल मीडिया पर निकास द्वार से पुलिस कर्मियों के प्रवेश का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होता रहा। इसके बाद पंडा समाज ने इस पर आक्रोश व्यक्त किया। महाअष्टमी पर अष्टभुजा पहाड़ पर महानिशा का पूजन के लिए बड़ी संख्या में साधक जुटे। साधकों ने विधि-विधान से अर्धरात्रि में राम गया घाट, भैरव कुंड सहित अष्टभुजा पहाड़ की कंदराओ व गुफाओं में महानिशा का पूजन किया। विंध्याचल के पहाड़ पर जगह-जगह आसन लगाकर बैठे साधक यंत्र तंत्र मंत्र के माध्यम से साधना में लीन नजर आए। अष्टभुजा पहाड़ पर महानिशा का पूजन देखने के लिए विंध्याचल सहित नगर के लोग भी बड़ी संख्या में पहुंचे हुए थे। त्रिकोण मार्ग पर विभिन्न मंदिरों में तंत्र साधना का अद्भुत अनुष्ठान साधकों द्वारा किया गया।

कड़ी सुरक्षा के बीच 40 स्थानों पर होगा प्रतिमा विसर्जन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। जिले के 21 थाना क्षेत्रों में स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन शनिवार से आरंभ होगा। अलग-अलग तिथियों पर प्रतिमा विसर्जन के लिए 40 स्थान चिह्नित किए गए हैं। सबसे ज्यादा प्रतिमाएं धंधरौल और रिहंद जलाशय में विसर्जित की जाएंगी। विसर्जन स्थलों पर प्रकाश, बैरिकेडिंग के साथ गोताखोरों की व्यवस्था कराई गई है। पुलिस-प्रशासन की ओर से मजिस्ट्रेट भी नामित किए गए हैं।सबसे ज्यादा रॉबर्ट्सगंज थाना क्षेत्र में 76 स्थानों पर प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं। यहां की ज्यादातर प्रतिमाओं का विसर्जन 13-14 को धंधरौल बांध, बलुई बंधी और बेलन नदी में होना है। इसके अलावा छोटी प्रतिमाएं गांवों के तालाबों में विसर्जित की जाएंगी। चोपन में 21, करमा में 30, पन्नूगंज में 46, शाहगंज में 29 स्थानों पर प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं। इनके विसर्जन के लिए भी अलग-अलग स्थान चिह्नित हैं। दुर्गा पूजा के समापन के बाद शनिवार से विसर्जन शुरू हो जाएगा। इसके मद्देनजर प्रशासन की ओर से सभी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जाता रहा। विसर्जन स्थलों पर प्रकाश, जनरेटर, बैरिकेडिंग के अलावा गोताखोर भी लगाए गए हैं। धंधरौल बांध, शिवाजी तालाब, दुद्धी, कोहरैल, रिहंद शक्तिनगर, रिहंद बीजपुर, रिहंद पिपरी, डोंगिया जलाशय सुकृत सहित अन्य शामिल हैं।

मेला घूमकर लौट रहे युवक समेत दो की सड़क हादसे में मौत, परिवार में मचा कोहराम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रेणुकूट। अलग-अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। एक घटना रेणुकूट

मुख्य बाजार में हुई तो दूसरी हिंडालको कारखाने से लौटते समय एक मालगाड़ी के टकराने से हुई। रेणुकूट पुलिस चौकी क्षेत्र में रविवार की शाम हुए दो अलग-अलग दुर्घटना में दो युवकों की मौत हो गई। घटना की सूचना पर पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में ले लिया। चौकी पर पहुंचे परिजनों ने घटना की जानकारी ली। शक्तिनगर थाना क्षेत्र के शिवाजी नगर निवासी प्रभात कुमार सिंह (23) पुत्र मदन सिंह रविवार को अपने दोस्त के साथ हाथीनाला स्थित पार्क घूमने गया था। वहां से लौटते समय रविवार की शाम को वह रेणुकूट मुख्य बाजार में एक ट्रक के बगल से निकलने का प्रयास कर रहा था। इसी दौरान अचानक सामने किसी वाहन के आ जाने से उसने ब्रेक लिया। जिससे बाइक फिसल कर गिर गई। ट्रक की चपेट में आने से प्रभात की मौके पर ही मौत हो गई। घटना में बाइक पर बैठा उसका दोस्त बाल- बाल बच गया। वहीं दूसरी घटना में रविवार की देर शाम ऋषि यादव (35) पुत्र विशंभर यादव निवासी नदिहार राजगढ़ मिर्जापुर की एक मालगाड़ी के टकराने से मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि ऋषि यादव हिंडालको कारखाने से ड्यूटी करके रेलवे लाइन पकड़ कर अपने निवास जा रहा था। इस दौरान मालगाड़ी की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना पाकर परिजन सोमवार की सुबह पुलिस चौकी पहुंचे जहां पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

गरीब परिजनों में वस्त्र वितरित कर दिया संदेशःनंदलाल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। पूर्वांचल के सात जिलों में सड़क हादसे में 17 लोगों ने दम तोड़ा तो 15 लोग अस्पताल में जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ रहे हैं। हादसे में बलिया, सोनभद्र, गाजीपुर, वाराणसी, जौनपुर में दो-दो और भदोही, मिर्जापुर में 3-3 लोगों ने जान गंवाई। पूर्वांचल के 7 जिलों में दशहरे पर शनिवार को सड़क हादसों में 17 लोगों की मौत हो गई। 15 लोग घायल हो गए। बलिया, सोनभद्र, गाजीपुर, जौनपुर में सड़क हादसों में दो-दो, भदोही, मिर्जापुर में तीन-तीन लोगों ने जान गंवाई है। वहीं, बलिया में दो, सोनभद्र में पांच, आजमगढ़ में सात, जौनपुर में तीन लोग घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रीवा-मिर्जापुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित मिर्जापुर के डूमंडगंज घाटी में बड़े मोड़ के आगे शनिवार को दोपहर करीब डेढ़ बजे अनियंत्रित ट्रक ने बाइक में पीछे से टक्कर मार दी। बाइक पर सवार पति-पत्नी और पुत्र की मौत हो गई। मध्य प्रदेश के मऊगंज थाने के देवरी गांव निवासी अमृतलाल कोल (40) गोपीगंज के ईट भट्ठे पर इंट पथाई का काम करते थे।

सोनभद्र

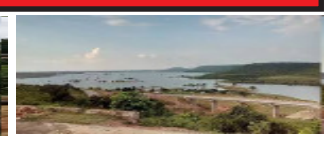

आदिवासी आज भी मूलभूत सुविधाओं से दूर-कांग्रेस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। रविवार को ओबरा विधानसभा के जुगैल क्षेत्र में भीतरी

ग्राम सभा में जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रामराज सिंह गोड़ की अध्यक्षता में स्थानीय समस्याओं के मद्दे नजर ब्रह्मदेव गोड़ ने मिटिंग रखी, जिसमें स्थानीय लोगों ने अपनी समस्याओं से जिला अध्यक्ष जी को रूबरू किया । जिला अध्यक्ष रामराज सिंह गोड़ ने कहा कि यह हम सबके लिए बहुत दुर्भाग्य की बात है कि जिस विधानसभा में खुद मंत्री जी रहते हो वहां पर इस वर्ग के लोग बिजली, पानी, नेटवर्क ,मूलभूत सुविधाओं से वंचित है जहां स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि खेतों में पट्टे से लेकर अन्य कार्यो के लिए उससे संबंधित अधिकारियों द्वारा पैसे की मांग की जा रही है कई लोगों को अभी तक आवास भी नहीं मिल पाया है आखिर इसका जिम्मेदार कौन है, वन अधिकार कानून को लेकर जहां कांग्रेस ने इतना सम्मान दिया वहीं वर्तमान सरकार उनकी उपेक्षा कर रही है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य आशुतोष कुमार दुबे (आशु) ने कहा कि जहां एक और हमारी नेता राष्ट्रीय महासचिव माननीया प्रियंका गांधी जी आदिवासियों की हक की लड़ाई लड़ने के लिए घोरावल ऊम्भा तक चली आई वहीं दूसरी ओर यही विधानसभा में रहने वाले नेता अगर इन लोगों की सुध नहीं ले पा रहे हैं तो यह पूरी तरीके से यह दर्शाता है कि वह इन लोगों के साथ कितना खड़े हैं जहां इस जिले में राम प्यारे पनिका जी जैसे नेता ने तमाम फैक्ट्रियां लगाकर आदिवासियों को अधिकार दिलाने का काम किया वही आज ऐसे भी नेता है कि उन्हें स्थानीय लोगो से कोई मतलब नही है ।स्थानीय निवासी मर्जिया देवी ने कहा कि विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन के साथ सरकार द्वारा मिलने वाला लाभ उन लोगों को नहीं मिल पा रहा है, शंभू बैगन ने कहा कि भीतरी टोला के खंभे में लाइन नहीं दौड़ रही है नेटवर्क ना होने से अस्पताल और दुर्घटना की सूचना हम लोग नहीं दे पा रहे हैं, लालती देवी ने कहा कि बच्चों को पढ़ने की व्यवस्था भी यहां पर समुचित नहीं है अंधेरों में जीवन काटने को मजबूर है, समित लाल और प्रेमलाल ने कहा कि अस्पताल की व्यवस्था भी नहीं है हम किसी प्रकार से जीवन काट रहे हैं हमी जानते हैं, शंकर भारती ने कहा कि हम लोग के परिवार के बच्चे आगे कैसे बढ़ेंगे जब उन्हें मूलभूत सुविधाएं नहीं मिल पाएंगी। कांग्रेस नेता मनोज मिश्रा ने कहा कि जुगैल क्षेत्र अपने आप में जिले के बड़े क्षेत्र में आता है और नेताओं और अधिकारियों की उदासीनता दर्शाती है कि उनको स्थानी लोगों से कोई मतलब नहीं है और वह मनमाना करने पर उतारू हैं ,कांग्रेस नेता श्रीकांत मिश्रा ने कहा कि आदिवासी भी हमारे देश के भविष्य हैं लेकिन पढ़ाई, शिक्षा, स्वास्थ्य, भोजन पर अगर ध्यान नहीं रहेगा तो आगे नहीं बढ़ पाएंगे, पिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव संदीप गुप्ता ने कहा कि यहां पर आदिवासियों की लड़ाई लड़ने का काम कांग्रेस ने पहले भी किया है और हम आगे भी उनकी हक की लड़ाई लड़ेंगे ,जिला सचिव संतोष सिंह नेताम ने कहा कि अभी कुछ महीना पहले यहां ललमटिया और गौरघट्टी में हम लोगों ने आदिवासियों की लड़ाई लड़ी और उन्हें उनका हक भी दिलाया पर आगे भी उनके साथ खड़े हैं। कार्यक्रम का संचालन प्रदेश उपाध्यक्ष पिछड़ा प्रकोष्ठ सेताराम केसरी ने किया और उन्होंने कहा भी इस क्षेत्र में जिस प्रकार से विकास होना चाहिए उस प्रकाश से नहीं हो रहा है केवल कागजों पर ही विकास दिखाई जा रहा है। मुख्य रूप से उपस्थित रहने वालों में वीरनाथ, पतलू, राम शुक्ला, उदल प्रसाद, व्यास हरिश्चंद्र खटाई लाल सागर वीर प्रसाद, मुन्ना, कैलाश,मुनेस्वर,रम्मू, मनीराम, शंभू ,सुक्खू प्रसाद ,राम अधीर, धनी लाल ,रामू,बसमतिया, कलावती, संतोषी, जितेंद्र, रेखा, बाचू, कतवरिया,सागर,ऊदल प्रशाद, रहे।

दो बाइक की टक्कर में एक की मौत तीन घायल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

चोपन सोनभद्र।सोन नदी पुल पर बीती रात्रि दो बाइको के टक्कर में एक कि मौत ,वाहन पल्सर

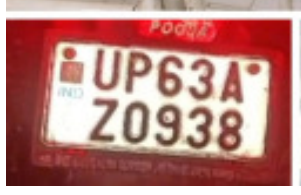

UP63AZ0938 पर सवार 01 अखिलेश गौंड पुत्र श्यामलाल गौड़ उम्र करीब 35 वर्ष 02-बालचंद गौड़ पुत्र हरि नारायण गौड़ उम्र करीब 32 वर्ष 03- अनिल गौड़ पुत्र कमला प्रसाद गौड़ उम्र करीब 36 वर्ष समस्त निवासी गुरमुरा थाना चोपन व दूसरे वाहन मोटर साइकिल हीरो होंडा स्प्लेंडर UP64AX1847 जिसे कुबेर सिंह गौड़ पुत्र सोभनाथ गौड निवासी कोटा थाना चोपन उम्र करीब 25 वर्ष चला रहा था आपस में दोनो मोटर साईकिल टकरा गई जिससे पल्सर UP63AZ0938 पर बैठे अनिल गौड़ पुत्र कमला प्रसाद गौड पता उपरोक्त उम्र करीब 36 वर्ष की मौके पर ही मृत्यु हो गई। मौके पर घायल कुबेर सिंह गौड़ पुत्र सोभनाथ उम्र 25 वर्ष निवासी कोटा व अखिलेष गौड पुत्र श्याम लाल गौड उम्र करीब 35 वर्ष निवासी गुरमुरा को तत्काल जिला अस्पताल व बालचंद गौड पुत्र हरि नारायण गौंड पता उपरोक्त उम्र करीब 32 वर्ष को प्राथमिक उपचार हेतु सीएचसी चोपन भिजवाया गया था जिसे प्राथमिक उपचार के उपारान्त जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है वर्तमान में तीनों घायलों का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है दुर्घटनाग्रस्त मोटर साईकिलों को मौके से हटवा दिया गया है मृतक के परिजनों को सूचना दे दी गई है मृतक अनिल गौंड के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु जिला अस्पताल के लिए भेज दिया गया व संबन्ध मे आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

धंधरौल बांध पर तैरते इंटेकवेल से 1.43 लाख लोगों की बुझेगी प्यास

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र।धंधरौल बांध पर बने तैरते इंटेकवेल से क्षेत्र के 23,779 परिवारों के 1.43 लाख लोगों की प्यास बुझेगी। जल जीवन मिशन की सबसे

अनोखी योजना बेलाही ग्राम समूह पाइप पेयजल योजना बनकर तैयार है। इस इंटेक से 205 गांवों में नल से स्वच्छ पेयजल की सप्लाई की जाएगी। इंटेक से लिया जाने वाला रॉ-वाटर वाटर ट्रीटमेंट प्लांट पहुंचेगा और यहां से सात पानी टंकियों के माध्यम से पेयजल सप्लाई की जाएगी।जल जीवन मिशन (हर घर जल) कार्यक्रम के तहत जनपद सोनभद्र में 12 ग्रामीण पाइप पेयजल योजनाओं का निर्माण विभिन्न फर्मों से कराया जा रहा है। योजनाओं में जल आहरण के लिए सोन नदी, रेणु नदी, धंधरौल बांध, नगवां बांध एवं रिहन्द बांध के किनारे पारंपरिक इंटेकवेल का निर्माण किया जाना है। रिहंद, धंधरौल और नगवां बांध का धरातल पथरीला होने के कारण पारंपरिक इंटेकवेल के निर्माण में अत्यधिक समय एवं खर्च लगना था। साथ ही अनापत्ति प्रमाणपत्र मिलने में भी काफी कठिनाई आ रही थी। इसके समाधान के लिए वारी पोन्दून पुणे से फ्लोटिंग इंटेकवेल के लिए प्रस्तुतीकरण लिया गया और इसके लाभ को देखते हुए नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव को जानकारी दी गई। इसके बाद उन्होंने इन नई विधि से सोनभद्र में पेयजल की चुनौतियों से निपटने का निर्णय लिया और फ्लोटिंग इंटेक सिस्टम का कार्य प्रारंभ किया गया। बता दें कि सोनभद्र क्षेत्रफल की दृष्टि से यूपी का दूसरा सबसे बड़ा जिला है। जो चार राज्य मध्य प्रदेश, झारखण्ड, छत्तीसगढ़ एवं बिहार से घिरा हुआ है। सोनभद्र का 50 प्रतिशत भाग पहाड़ी एवं पथरीला होने के कारण भूमिगत जल में अशुद्धियां एवं जलस्तर कम है।यह संरचना जल कि सतह पर तैरती रहती है, जिस कारण इसे आसानी से अत्यधिक जल की उपलब्धता वाले स्थान पर स्थानांतरित किया जा सकता है। जिन स्थानों पर वॉटर बेसिन के अंदर पत्थर या चट्टानें पाई जाती हैं। वहां पारंपरिक इंटेकवेल का निर्माण किया जाना अत्यधिक कठिन होता है। ऐसे स्थानों के लिए फ्लोटिंग इंटक सिस्टम एक आसान विकल्प है। इस संरचना के निर्माण एवं रख रखाव की लागत पारंपरिक इंटकवेल से कम है। धंधरौल बांध में स्थायी इंटकवेल के बजाय फ्लोटिंग वेल का इस्तेमाल किया गया है। पथरीली इलाकों में कम लागत में जल्द से जल्द इसे तैयार किया जा सकता है।

ब्रम्हनगर वाली मां दुर्गा दरबार में हुआ भंडारा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। जय मां दुर्गा पूजा सेवा समिति ब्रम्हनगर पूजा परिसर में स्थापित मां दुर्गा दरबार में पिछले

साल की भांति इस साल भी मां के कलश विसर्जन शोभा यात्रा के बाद रविवार को भंडारे का आयोजन किया गया।जय मां दुर्गा पूजा सेवा समिति ब्रम्हनगर कमेटी के अध्यक्ष ने बताया कि कोर कमेटी 2024 के सदस्यों और ब्रम्हनगर एवं नगर वासियों के सहयोग एवं मां के आशीर्वाद से भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें हजारों श्रद्धालुओं भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। गिरीश पाण्डेय ने कोर कमेटी के सभी सदस्य भक्तों एवं भंडारे में प्रसाद ग्रहण कर आयोजन को सफल बनाने वाले सभी मां के भक्तों को आभार भी ज्ञापित किया।

जानवर की दहशत, जंगली हमले में बालक घायल, अस्पताल ले जाया गया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

मिर्जापुर। तिलठी गांव में हमलावर जानवर की दहशत है। जानवर के

हमले में बालक घायल हो गया है और उसे अस्पताल ले जाया गया है। आपको बता दें कि भेड़िये की चर्चाओं से पहले ही ग्रामीणों में दहशत थी अचानक आक्रोशित वन्य जीव के हमले से ग्रामीणों में दहशत है। मिर्जापुर के चील्ह थाना क्षेत्र स्थित तिलठी गांव में किसी अनजान जानवर के काटने से बालक जख्मी हो गया। उसे मंडलीय अस्पताल से वाराणसी रेफर कर दिया गया। चील्ह थाना क्षेत्र के तिलठी गांव निवासी श्रीधर का पांच वर्षीय पुत्र आयुष अपने घर के पास शाम सात बजे खेल रहा था इस दौरान किसी जानवर ने आकर उसके ऊपर हमला बोल दिया। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। आनन फानन में ग्रामीणों ने दौड़ करके देखा तो बिगवा जैसा कोई जानवर भागता हुआ दिखाई पड़ा। घटना की सूचना पर लाठी-डंडा लेकर काफी संख्या में ग्रामीण इकट्ठा हो गये।घटना की सूचना पर मौके पर 112 नंबर पुलिस पहुंची। घायल को मंडलीय अस्पताल इलाज के लिए ले गये। जहां पर डॉक्टरों ने हालत को देखते हुए वाराणसी के लिए रेफर कर दिया।

स्पोर्ट्स

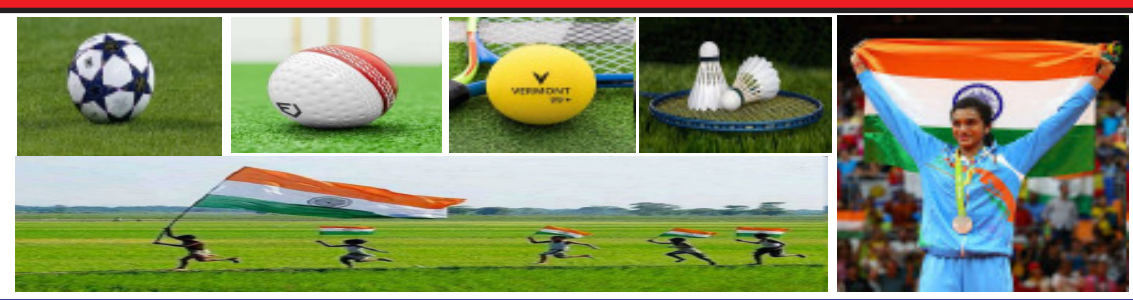

ऑस्ट्रेलिया सेमीफाइनल में पहुंची, भारत को करनी होगी न्यूजीलैंड की हार की दुआ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। इस मैच से पहले भारत का नेट रनरेट ₹0.576 था। अब यह ₹0.322 ही रह गया है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया आठ अंक और ₹2.223 के नेट रनरेट के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर है। तीसरे स्थान पर न्यूजीलैंड की टीम है जिनका नेट रनरेट ₹0.282 है ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम ने रविवार को भारत के खिलाफ नौ रनों से जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। ग्रुप ए से सेमीफाइनल में पहुंचने वाली वह पहली टीम बन गई। वहीं, इस हार ने भारत की राह मुश्किल कर दी है। अब उन्हें न्यूजीलैंड बनाम पाकिस्तान मैच पर निर्भर रहना होगा। यह मुकाबला सोमवार को खेला जाएगा। इस मैच से पहले भारत का नेट रनरेट ₹0.576 था। अब यह ₹0.322 ही रह गया है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया आठ अंक और ₹2.223 के नेट रनरेट के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर है। तीसरे स्थान पर न्यूजीलैंड की टीम है जिनका नेट रनरेट ₹0.282 है। अगर अपने चौथे मैच में उन्हें पाकिस्तान के खिलाफ बड़े अंतर से जीत मिलती है तो कीवी टीम दूसरे पायदान पर पहुंच जाएगी और बेहतर नेट रनरेट के आधार पर सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई कर लेगी। इस स्थिति में भारत को पाकिस्तान की जीत की दुआ करनी होगी।

शारजाह में खेले गए इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने 20 ओवर में आठ विकेट पर 151 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम 20 ओवर में नौ विकेट पर 142 रन ही बना सकी। भारत को ऑस्ट्रेलिया के नेट रनरेट से आगे निकलने के लिए 10.2 ओवर या उससे पहले लक्ष्य का पीछा करना था। वहीं, हारने पर भारत को यह सुनिश्चित करना था कि उनका स्कोर 139 रन से ज्यादा हो वरना उनका नेट रनरेट न्यूजीलैंड से कम हो सकता था।कप्तान हरमनप्रीत कौर की अर्धशतकीय पारी काम नहीं आई। भारत को अंतिम ओवर में 14 रन की जरूरत थी। हरमनप्रीत विकेट पर थीं, लेकिन सदरलैंड के ओवर में भारत ने चार विकेट खोकर मैच गंवा दिया। ऑस्ट्रेलिया के आठ विकेट पर 151 रन के जवाब में भारत ने नौ विकेट पर 142 रन बनाए। हरमनप्रीत 47 गेंद में छह चौकों की मदद से 54 रन पर नाबाद रहीं। उन्होंने चौथे विकेट के लिए दीप्ति शर्मा (29) के साथ 55 गेंद में 63 रन की साझेदारी की। 18वें ओवर में 12 और 19वें ओवर में 14 रन बने तो लगा जीत मिलने जा रही है, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। 32 रन पर दो विकेट लेने वाली सोफी मोलिनेक्स प्लेयर ऑफ द मैच बनीं। उनके अलावा ऑस्ट्रेलिया के लिए एनाबेल सदरलैंड ने दो विकेट चटकाए। वहीं, मेगन और एश्ले ने एक-एक सफलता हासिल की।टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत कुछ खास नहीं हुई। बेथ मूनी 17 रन के स्कोर पर अपना विकेट फेंककर चली गईं। उन्हें रेणुका ने शिकार बनाया। इसकी अगली ही गेंद पर भारतीय गेंदबाज ने जॉर्जिया वेयरहेम को भी आउट किया। वह बिना खाता खोले पवेलिन लौटीं। 17 रन के स्कोर पर दो विकेट खो चुकी ऑस्ट्रेलियाई टीम को एक अच्छी साझेदारी की तलाश थी। ऐसे में चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरीं ताहलिया मैक्ग्रा ने मोर्चा संभाला और ग्रेस हैरिस के साथ 62 रनों की पार्टनरशिप की। 12वें ओवर में राधा यादव ने कप्तान को अपना शिकार बनाया। वह 26 गेंदों में 32 रन बना सकीं। वहीं, हैरिस 40 रन बनाने में कामयाब हुईं। इस मुकाबले में एलिस पेरी ने 32, एश्ले गार्डनर ने छह, एनाबेल सदरलैंड ने 10, सोफी मोलिनेक्स ने शून्य रन बनाए। वहीं, फीबी लीचफील्ड 15 और मेगन शून्य रन बनाकर नाबाद रहीं। भारत के लिए रेणुका सिंह और दीप्ति शर्मा ने दो-दो विकेट चटकाए जबकि श्रेयंका, पूजा और राधा को एक-एक विकेट मिला।

हार्दिक या रियान नहीं इस खिलाड़ी ने जीता फील्डर ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। भारत ने शनिवार को बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे टी20 मैच में शानदार जीत दर्ज की। इसी के साथ भारतीय टीम ने तीन मैचों की सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप कर लिया। हैदराबाद में खेले गए मुकाबले के बाद टीम इंडिया के फील्डिंग कोच टी दिलीप ने फील्डर ऑफ द सीरीज के नाम का एलान किया। टी दिलीप ने इस सीरीज में भारतीय खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सभी की तारीफ की। इस दौरान मुख्य कोच गौतम गंभीर भी मौजूद रहे। फील्डिंग कोच ने तीन खिलाड़ियों को फील्डर ऑफ द सीरीज के अवॉर्ड के लिए चुना। इनमें हार्दिक पांड्या, रियान पराग और वाशिंगटन सुंदर शामिल हैं। सुंदर को उनके दमदार प्रदर्शन के लिए इस अवॉर्ड से नवाजा गया। उन्हें यह अवॉर्ड सलामी बल्लेबाज जितेश शर्मा ने सौंपा। इस सम्मान को हासिल करने के बाद स्टार ऑलराउंडर ने खुशी जताई। उन्होंने कहा- यह बहुत खुशी का मौका है। मैं मैदान पर हमेशा अपना 100 प्रतिशत देने की कोशिश करता हूं। मैदान पर कोई भी और हर कोई योगदान दे सकता है, चाहे स्थिति कैसी भी हो। इसके लिए बहुत आभारी हूं। दिलीप सर और सहयोगी स्टाफ के हर एक व्यक्ति को धन्यवाद।बल्लेबाजों के बाद स्पिनर रवि बिश्नोई की अगुआई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से भारत ने हैदराबाद में खेले गए तीसरे टी20 मुकाबले में 133 रनों से हराया। भारत की रनों के लिहाज से यह टी20 की तीसरी सबसे बड़ी जीत है। भारत ने इसके साथ ही तीन मैचों की यह सीरीज 3-0 से जीत क्लीन स्वीप किया। भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए संजू सैमसन के शतक और कप्तान सूर्यकुमार यादव के अर्धशतक की मदद से 20 ओवर में छह विकेट पर 297 रन बनाए। जवाब में बांग्लादेश निर्धारित ओवर में सात विकेट पर 164 रन ही बना सका।

भारत के खिलाफ मुकाबले से पहले ऑस्ट्रेलिया को लगा बड़ा झटका, टायला व्लाएमिंक चोट के कारण बाहर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। शुक्रवार को पाकिस्तान के खिलाफ खेले गए मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाज चोटिल हो गई थीं। इस दौरान उनके कंधे की हड्डी खिसक गई थी। अब उनकी चोट की गंभीरता को देखते हुए उन्हें टूर्नामेंट से बाहर कर दिया गया है।महिला टी20 विश्व कप में आज भारतीय टीम का ऑस्ट्रेलिया से सामना होना है। इस मुकाबले में हरमनप्रीत कौर की टीम जीत के साथ सेमीफाइनल की अपनी स्थिति मजबूत करने उतरेगी। शारजाह में खेले जाने वाले मैच से पहले गत विजेता टीम को तगड़ा झटका लगा है। दरअसल, टायला व्लाएमिंक चोट के कारण बाहर हो गई हैं। अब उनकी जगह नई खिलाड़ी की एंट्री हुई है।शुक्रवार को पाकिस्तान के खिलाफ खेले गए मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाज चोटिल हो गई थीं। इस दौरान उनके कंधे की हड्डी खिसक गई थी। अब उनकी चोट की गंभीरता को देखते हुए उन्हें टूर्नामेंट से बाहर कर दिया गया है। इसके बाद हेदर ग्राहम को टीम का हिस्सा बनाया गया है। बात करें ग्राहम के करियर की तो 28 वर्षीय गेंदबाज ने अब तक पांच टी20 मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 8.07 की इकोनॉमी रेट से आठ विकेट लिए हैं। उन्होंने दिसंबर 2022 में मुंबई के ब्रेबोर्न स्टेडियम में भारत के खिलाफ 2-0-8-4 का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। उन्होंने सीरीज के पांचवें और अंतिम मैच में हैट्रिक भी ली, जिसमें ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 54 रनों से हराया था।

इंग्लैंड की लगातार तीसरी जीत, स्कॉटलैंड को 10 विकेट से हराया, सेमीफाइनल के लिए स्थिति मजबूत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। बाउचियर ने पारी की शुरुआत में कई बाउंड्री लगाई और शुरुआत में ही उन्हें जीवनदान भी मिला। वह 34 गेंद पर 62 रन बनाकर नाबाद रहीं जबकि वाट हॉज 26 गेंद में 51 रन बनाकर नाबाद रहीं। इंग्लैंड की महिला टीम ने रविवार को महिला टी20 विश्व कप में स्कॉटलैंड को 10 विकेट से रौंद दिया और अपने ग्रुप में शीर्ष पर पहुंचकर सेमीफाइनल में जगह बनाने की संभावनाओं को मजबूत किया।पहले बल्लेबाजी करने उतरी स्कॉटलैंड की टीम निर्धारित 20 ओवर में छह विकेट पर 109 रन ही बना सकी। इसके जवाब में इंग्लैंड की सलामी बल्लेबाज माइया बाउचियर और डैनी वाट हॉज ने शानदार प्रदर्शन किया। दोनों ने महज 10 ओवर में लक्ष्य हासिल कर कर टीम का नेट रनरेट भी बढ़ा दिया।बाउचियर ने पारी की शुरुआत में कई बाउंड्री लगाई और शुरुआत में ही उन्हें जीवनदान भी मिला। वह 34 गेंद पर 62 रन बनाकर नाबाद रहीं जबकि वाट हॉज 26 गेंद में 51 रन बनाकर नाबाद रहीं। इंग्लैंड के लिए सोफी एक्लेस्टोन (चार ओवर में 13 रन देकर दो विकेट) दिन की सबसे सफल गेंदबाज रहीं।स्कॉटलैंड के लिए सारा ब्रायस (31 गेंद में 27 रन) और कैथरीन ब्रायस (28 गेंद में 33 रन) ने भी अच्छा योगदान दिया। लेकिन टूर्नामेंट में पदार्पण करने वाली इन दोनों का प्रदर्शन टीम के काफी नहीं रहा। मैच शुरू होने से पहले इंग्लैंड की टीम तालिका में तीसरे स्थान पर थी।

पाकिस्तान क्रिकेट की खराब हालत पर गंभीर पीसीबी, मोहसिन नकवी ने बुलाई अहम बैठक, बड़े बदलाव की तैयारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। पीसीबी ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों के प्रदर्शन और फिटनेस पर रविवार को चर्चा की। इस बैठक में संबंधित अधिकारियों को आगामी मैचों के लिए बेहतर पिच बनाने के निर्देश दिए।पाकिस्तान क्रिकेट में बड़े बदलाव की तैयारी चल रही है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने रविवार को चयन समिति और चैंपियंस कप के मेंटरों के साथ आपातकालीन बैठक की। यह बैठक इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में पाकिस्तान की हार के ठीक बाद हुई है।पीसीबी ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों के प्रदर्शन और फिटनेस पर रविवार को चर्चा की। इस बैठक में संबंधित अधिकारियों को आगामी मैचों के लिए बेहतर पिच बनाने के निर्देश दिए। बता दें कि, पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच जारी तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मैच में पाकिस्तान को पारी और 47 रनों से हार का सामना करना पड़ा था। इस दौरान मेहमान टीम ने टेस्ट इतिहास का चौथा सबसे बड़ा स्कोर तैयार किया। उन्होंने 823 रन बनाए।पीसीबी की तरफ से रविवार को ट्वीट किया गया। इसमें लिखा- मोहसिन नकवी ने चयन समिति और मेंटर्स की एक विशेष संयुक्त बैठक की अध्यक्षता की। चयन समिति और मेंटर्स की बैठक 2 घंटे तक जारी रही। पीसीबी के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने पहले मेंटर्स के साथ एक अलग बैठक की और फिर चयन समिति के सदस्यों और मेंटर्स के साथ एक संयुक्त बैठक की। लंबी बैठक में टीम के हालिया प्रदर्शन और फिटनेस की विस्तार से समीक्षा की गई।इसमें आगे कहा गया- पीसीबी के अध्यक्ष मोहसिन नकवी और मेंटर्स ने मौजूदा सीरीज के अंत तक नए खिलाड़ियों के प्रदर्शन के मूल्यांकन की प्रक्रिया पूरी करने पर सहमति व्यक्त की। बैठक में मौजूदा सीरीज के अंत तक खिलाड़ियों की फिटनेस प्रक्रिया को पूरा करने का भी फैसला किया गया।इससे पहले पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटरों ने देश की क्रिकेट व्यवस्था में गड़बड़ी के लिए पीसीबी की आलोचना की थी। शोएब अख्तर का एक बयान सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें उन्होंने बांग्लादेश और इंग्लैंड के खिलाफ हार पर अफसोस जताया था। पाकिस्तान 2022 से घर पर जीत दर्ज नहीं कर पाया है। अख्तर ने कहा- दशकों से मैंने गिरावट देखी है। स्थिति निराशाजनक है। हारना ठीक है, लेकिन खेल करीबी होना चाहिए। हालांकि, हमने पिछले दो दिनों में जो देखा उन्होंने पूरी तरह से उम्मीद छोड़ दी। इससे पता चलता है कि हम काफी अच्छे नहीं हैं। इंग्लैंड ने 800₹ रन बनाए और बांग्लादेश ने भी आपको हराया।

हरमनप्रीत ने लगाई रिकॉर्ड्स की झड़ी, टी20 विश्व कप में सर्वाधिक रन बनाने वाली भारतीय बनीं

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। इस मैच में 35 वर्षीय बल्लेबाज ने 54 रनों की नाबाद पारी खेली। उन्होंने इस दौरान 47 गेंदों का सामना किया और छह चौके लगाए। यह उनके टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर का 14वां अर्धशतक है।महिला टी20 विश्व कप में भारत को ऑस्ट्रेलिया के हाथों करारी हार का सामना करना पड़ा। रविवार को शारजाह में खेले गए इस मुकाबले में भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने दमदार प्रदर्शन किया। उन्होंने अर्धशतकीय पारी से भारत को जीत दिलाने की कोशिश की, लेकिन वह ऐसा करने में सफल नहीं हो सकीं। हालांकि, वह अपने नाम कई रिकॉर्ड करने में कामयाब हुईं। इस मैच में 35 वर्षीय बल्लेबाज ने 54 रनों की नाबाद पारी खेली। उन्होंने इस दौरान 47 गेंदों का सामना किया और छह चौके लगाए। यह उनके टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर का 14वां अर्धशतक है। इसी के साथ वह महिला टी20 विश्व कप में भारत के लिए सर्वाधिक रन बनाने वाली बल्लेबाज बन गईं। अब तक उन्होंने महिला टी20 विश्व कप में 726 रन बनाए हैं। मंधाना 524 और जेमिमा 407 रनों के साथ क्रमशः तीसरे और चौथे स्थान पर हैं।मौजूदा टूर्नामेंट में यह दाएं हाथ की बल्लेबाज द्वारा बनाया गया दूसरा अर्धशतक है। इससे पहले उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ 52ङ रनों की शानदार पारी खेलकर टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। हरमनप्रीत से पहले पिछले संस्करण में स्मृति मंधाना ने दो अर्धशतक लगाए थे। वहीं, पूर्व भारतीय कप्तान मिताली राज ने 2018 में दो अर्धशतक लगाए थे। महिला टी20 विश्व कप में हरमनप्रीत के पांच 50 से अधिक स्कोर भारत के लिए मिताली राज के साथ संयुक्त रूप से सबसे अधिक हैं।कप्तान हरमनप्रीत कौर की अर्धशतकीय पारी काम नहीं आई। भारत को अंतिम ओवर में 14 रन की जरूरत थी। हरमनप्रीत विकेट पर थीं, लेकिन सदरलैंड के ओवर में भारत ने चार विकेट खोकर मैच गंवा दिया। ऑस्ट्रेलिया के आठ विकेट पर 151 रन के जवाब में भारत ने नौ विकेट पर 142 रन बनाए। हरमनप्रीत 47 गेंद में छह चौकों की मदद से 54 रन पर नाबाद रहीं। उन्होंने चौथे विकेट के लिए दीप्ति शर्मा (29) के साथ 55 गेंद में 63 रन की साझेदारी की।

राशि फल

कुछ कार्य जिसकी पिछले कुछ दिनों से प्लानिंग चल रही है, आज शुरू हो सकता है, जिससे आपको आर्थिक स्थिति में लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में परिवर्तन की योग बन रहे हैं	आज का दिन अच्छा है। परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। व्यापार आदि में सहयोगी पार्टनर के माध्यम से आय के नए स्रोत बनेंगे	किसी कार्य विशेष को लेकर आज यात्रा आदि पर बाहर जा सकते हैं। यात्रा में सावधानी बरतें, नहीं तो आपको नुकसान हो सकता है। साथ ही परिवार में किसी अपने के स्वास्थ्य से आप चिंतित रह सकते हैं।	आज आप व्यर्थ की भागदौड़ से परेशान हो सकते हैं। आपका मन अशांत रहेगा। कार्य की अधिकता के कारण थकावट आदि महसूस होगी।
आज आप मानसिक रूप से उलझे रहेंगे। किसी बात को लेकर परिवार में परेशानी बढ़ सकती है, लेकिन आप अपनी कुशलता से उसे हल करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।	नौकरी आदि के लिए यदि प्रयास कर रहे हैं तो, आज आपको सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा, परंतु परिवार में माता-पिता का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।	आज आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य न होने से आप मानसिक तौर से परेशान रह सकते हैं। आर्थिक स्थिति के कारण आपको किसी से मदद मांगनी पड़ सकती है। व्यापार-व्यवसाय में भी इस समय गिरावट महसूस होगी।	आज आप पतनी के स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रहेंगे। परिवार के लोग सहयोग करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में अपने साथियों के विरोध के कारण आपको बड़ा नुकसान हो सकता है।
स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं। साथ ही नौकरी आदि में अधिकारी वर्ग से मतभेद बढ़ने से आपकी परेशानी बढ़ेगी।	आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। किसी अपने के द्वारा आपको कार्यक्षेत्र में बड़ा काम मिल सकता है, जिस कारण मन प्रसनन रहेगा।	आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।	मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

चिन्नास्वामी स्टेडियम में रोहित-कोहली से मिले पूर्व कोच द्रविड़, अभ्यास सत्र के दौरान की चर्चा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। विश्व कप की खिताबी जीत के बाद द्रविड़ का कार्यकाल समाप्त हो गया था और पूर्व बल्लेबाज गौतम गंभीर को टीम इंडिया का नया मुख्य कोच बनाया गया था। द्रविड़ अचानक ही भारतीय टीम के अभ्यास सत्र में पहुंचे और खिलाड़ियों के साथ हंसी मजाक की और कुछ अच्छे पल बिताए। भारतीय टीम के पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ भारतीय कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के साथ बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में चर्चा करते दिखे। भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ 16 अक्तूबर से तीन मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला बेंगलुरु में ही खेलना है। द्रविड़ की कोचिंग में भारत ने इस साल जून में दक्षिण अफ्रीका को हराकर टी20 विश्व कप का खिताब जीता था। विश्व कप की खिताबी जीत के बाद द्रविड़ का कार्यकाल समाप्त हो गया था और पूर्व बल्लेबाज गौतम गंभीर को टीम इंडिया का नया मुख्य कोच बनाया गया था। द्रविड़ अचानक ही भारतीय टीम के अभ्यास सत्र में पहुंचे और खिलाड़ियों के साथ हंसी मजाक की और कुछ अच्छे पल बिताए। इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें द्रविड़ रोहित, कोहली और पंत के साथ बातचीत करते दिख रहे हैं। भारत ने हाल ही में संपन्न हुए बांग्लादेश के खिलाफ टी20 और टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया था और दोनों ही सीरीज में क्लीन स्वीप करने में सफल रहा था। भारत की नजरें अब न्यूजीलैंड के खिलाफ भी वही प्रदर्शन दोहराने की होगी। द्रविड़ के साथ बातचीत से भारतीय टीम का मनोबल और बढ़ा होगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने हाल ही में न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के लिए भारतीय टीम का एलान किया था। द्रविड़ को नवंबर 2021 में भारतीय टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया था। द्रविड़ रवि शास्त्री की जगह टीम इंडिया के कोच बने थे। द्रविड़ के नेतृत्व में टीम ने 2023 वनडे विश्व कप के फाइनल में जगह बनाई थी जहां उसे ऑस्ट्रेलिया के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। हालांकि, इसके कुछ महीने बाद ही टीम ने टी20 विश्व कप जीता था। वनडे विश्व कप से पहले भारत ने श्रीलंका को हराकर एशिया कप का खिताब भी अपने नाम किया था। राष्ट्रीय टीम की जिम्मेदारी से मुक्त होने के बाद द्रविड़ ने आईपीएल में वापसी की और उन्हें राजस्थान रॉयल्स का मुख्य कोच बनाया गया था। द्रविड़ इस टीम के लिए पहले खेल चुके हैं और राजस्थान के मेंटर भी रहे हैं। इसके अलावा वह 2015 और 2016 में टीम के क्रिकेट निदेशक भी रहे थे।

सम्पादकीय

उपेक्षित जीवन जीने को मजबूर बुजुर्ग, समाज और राष्ट्र का भविष्य होते हैं वरिष्ठजन

देश के सत्तर साल से अधिक उम्र के सभी बुजुर्गों को बीते दिनों सरकार ने आयुष्मान भारत योजना में शामिल करने का निर्णय लिया। इसके तहत करीब छह करोड़ वरिष्ठजनों को पांच लाख रुपये का बीमा कवरेज मिलेगा। बुजुर्गों के लिए केंद्र सरकार की यह योजना अनायास नहीं है। हाल में प्रकाशित चार रिपोर्टों में देश में बुजुर्गों की तेजी से बढ़ती आबादी का आकलन किया गया है। इन सभी ने केंद्र सरकार का भी ध्यान खींचा है। इनमें पहली रिपोर्ट कुछ भारतीय और अंतरराष्ट्रीय शोधकर्ताओं द्वारा किए गए अध्ययन पर आधारित है। उनका यह अध्ययन प्लस वन नामक जर्नल में प्रकाशित हुआ है। इससे पता चलता है कि आज देश का हर चौथा बुजुर्ग स्मृति लोप, भाषा का ठीक से प्रयोग न करने, सोचने-समझने एवं निर्णय लेने की क्षमता कमजोर हो जाने तथा अपने दैनिक कामों में समस्या का अनुभव करने जैसी दिक्कतों से जूझ रहा है। दूसरी रिपोर्ट एसबीआइ की है जिसमें कहा गया है कि भारत की कामकाजी आबादी की औसत आयु 2021 में 24 वर्ष के मुकाबले 2024 में बढ़कर 28-29 वर्ष होने की संभावना है। आज चीन की कामकाजी औसत आयु 39.5 साल है। वहीं यूरोप में यह 42 साल, उत्तरी अमेरिका में 38 साल तथा एशिया में 32 साल है। वैश्विक स्तर पर यह औसत आयु 30.4 वर्ष है। वर्ष 2001 में बुजुर्गों की जो आबादी 7.9 करोड़ थी, वह 2024 में बढ़कर 15 करोड़ हो गई है। बुजुर्गों की यह आबादी देश की कुल जनसंख्या का 10.7 प्रतिशत है। इनमें 7.7 करोड़ पुरुष तथा 7.3 करोड़ महिलाएं हैं। 2001 में जो कामकाजी आबादी 58.6 करोड़ थी, 2024 में इसके 91 करोड़ रहने की संभावना है। इस प्रकार जल्द ही देश की कुल आबादी में 67 प्रतिशत हिस्सेदारी कामकाजी लोगों की होगी। इस कड़ी में मेन एंड वीमेन नामक तीसरी रिपोर्ट केंद्र सरकार के सांख्यिकी मंत्रालय की है। यह बताती है कि 2036 तक देश में बच्चों एवं किशोरों की आबादी में तेजी से गिरावट आएगी। दूसरी ओर बुजुर्गों और मध्यम उम्र के लोगों की संख्या बढ़ेगी। वर्तमान आबादी में 60 वर्ष से अधिक आयुवर्ग के लोगों का प्रतिशत 9.5 है। वहीं 2036 में बुजुर्गों की आबादी बढ़कर 13.9 प्रतिशत हो जाएगी। चौथी रिपोर्ट संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) की भारत प्रमुख एंड्रिया वोजनार के एक साक्षात्कार में दिए गए बयान से जुड़ी है। उनके अनुसार भारत में अगले 25 वर्षों में देश की आबादी में 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों की संख्या बढ़कर 20.8 प्रतिशत हो जाएगी। अर्थात देश में हर पांचवां व्यक्ति बुजुर्ग होगा। यूएनएफपीए के अनुसार 2024-2050 के बीच देश की कुल आबादी 18 प्रतिशत ही बढ़ेगी, मगर वृद्ध जनसंख्या में 134 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी होगी। देश की आबादी में जिस प्रकार बुजुर्गों की आबादी लगातार बढ़ रही है उससे देश में कामकाजी युवाओं और वृद्धजनों के बीच असंतुलन आने के आसार बढ़ रहे हैं। एक खास बात यह भी है कि विकसित देशों मसलन जापान, फ्रांस, जर्मनी, आस्ट्रेलिया एवं ब्रिटेन जैसे देशों में जनसंख्या के बढ़ने का स्तर अमूमन शून्य हो चुका है। निःसंदेह भविष्य में वहां वृद्धजनों की संख्या बढ़ेगी और कार्यशील जनसंख्या कम होती जाएगी जिससे उत्पादन स्वतः ही घटेगा। हालांकि भारत में ऐसा नहीं है। उपरोक्त चारों रिपोर्टों का सार यह है कि यहां अगर बुजुर्गों की संख्या बढ़ रही है तो उससे कहीं बढ़े हुए अनुपात में कामकाजी युवक-युवतियों की संख्या भी बढ़ रही है। आज ब्राजील, रूस, भारत और चीन में जन्म दर और जनसंख्या वृद्धि दर लगातार घट रही है। भविष्य में केवल भारत देश ही ऐसा होगा, जहां की कार्यशील और ज्ञानाश्रित युवा जनसंख्या संपूर्ण विश्व में अपना परचम फहराएगी। आज देश में बुजुर्गों से जुड़े सामाजिक ढांचे तथा युवाओं और वरिष्ठजनों के बीच बढ़ रहे पीढ़ीगत अंतराल और जनसंख्यात्मक असंतुलन को लेकर चिंता अधिक है। यदि देश के युवाओं की ऊर्जा, शक्ति, उत्साह और सामर्थ्य देश के काम आएगा तो उसी अनुपात में देश के वरिष्ठजनों का लंबा अनुभव भी इन युवाओं की सुरक्षा में ढाल का कार्य करेगा। किसी भी देश को महान वहां के रहने वाले लोग बनाते हैं और यही लोग आगे चलकर उस महान देश के महत्वपूर्ण नागरिक बन जाते हैं, परंतु भारत जैसे सुसंस्कृत देश के बुजुर्ग नागरिक यहां उपेक्षित जीवन जीने के लिए मजबूर हैं। अमेरिका और यूरोप में किसी भी राजनीतिक दल में इतना साहस नहीं है कि वे वहां के वरिष्ठ नागरिकों की अनदेखी कर सकें। यूरोप और अमेरिका के बजट का एक बड़ा हिस्सा बुजुर्गों के सामाजिक एवं आर्थिक कल्याण पर खर्च होता है। आवश्यकता है कि जहां सरकारों द्वारा उनकी पेंशन राशि में बढ़ोतरी हो, वहीं रेल एवं हवाई यात्रा में छूट तथा स्वास्थ्य सेवाओं में विस्तार और एक गरिमापूर्ण जीवन जीने की सुलभता के साथ-साथ उनकी सामाजिक-आर्थिक सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम हों। याद रहे कि जो समाज एवं राष्ट्र अपने वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान करता है वह वर्तमान के साथ सुनहरे भविष्य के लिए भी अपनी सामाजिक पूंजी को सहेजकर रखता है। वर्ष 2047 तक हम जिस विकसित भारत की कल्पना कर रहे हैं वह वरिष्ठ नागरिकों के बढ़ते संख्यात्मक बल से जुड़े लंबे अनुभव और युवाओं की कार्यात्मक ऊर्जा एवं शक्ति के मध्य सहक्रिया के सेतु पर संतुलित पदचापों से ही पूरी हो पाएगी।

हरियाणा की जीत और सबक से तय होगी मोदी राहुल की अगली सियासत, महाराष्ट्र–झारखंड में रोचक मुकाबले

लोकसभा चुनावों में भाजपा के गठबंधन (एनडीए) को कांग्रेस गठबंधन (इंडिया) के मुकाबले सीटों और मत प्रतिशत दोनों का नुकसान हुआ और विधानसभा सीटों पर भी इंडिया गठबंधन का महाविकास अघाड़ी एनडीए गठबंधन के महायुति से आगे था। इसलिए महाराष्ट्र की चुनौती हरियाणा से ज्यादा कठिन है। जबकि झारखंड में मुकाबला बराबरी का बताया जा रहा है। जम्मू कश्मीर और हरियाणा विधानसभा चुनाव नतीजों के बाद देश का राजनीतिक तापमान एकाएक गरम हो गया है। हरियाणा में कांग्रेस की अप्रत्याशित हार और जम्मू कश्मीर में नेशनल कांफ्रेंस के शानदार प्रदर्शन ने इंडिया गठबंधन में सहयोगी दलों को कांग्रेस पर मुखर होने का जो मौका दिया है उससे कांग्रेस पर फिर वैसा ही दबाव बन गया है जैसा कि नवंबर दिसंबर 2023 में तीन राज्यों मध्य प्रदेश छत्तीस गढ़ और राजस्थान की चुनावी हार के बाद बना था। नतीजा कांग्रेस ने अपने रुख को लचीला बनाया और लोकसभा चुनावों में सहयोगियों के साथ बेहतर तालमेल करके भाजपा को 240 और एनडीए को 293 पर रोक दिया। उधर हरियाणा की चौंकाने वाली जीत और जम्मू कश्मीर में पिछली बार से ज्यादा सीटों की जीत ने भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फिर से पिछले साल के आखिर में तीन राज्यों की जबर्दस्त जीत जैसा सियासी टॉनिक फिर दे दिया है। वहीं ये नतीजे नेता विपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस के लिए भी फिर वैसा ही सबक हैं जैसा उन्हें 2023 में तीन राज्यों की हार के बाद मिला था। अब अगले ही महीने संभावित महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा के चुनावों के लिए तैयार हो रहे दोनों दल इन नतीजों से कैसा फायदा उठा पाते हैं इन राज्यों के चुनाव नतीजे इससे तय होंगे। मोदी सरकार-तीन जिसे अब एनडीए सरकार भी कहा जा रहा है के डेढ़ सौ दिन होने जा रहे हैं। लेकिन इस बार जब सरकार के सौ दिन पूरे हुए तब सरकारी प्रचार उतने जोर शोर से नहीं हुआ जैसा कि नरेंद्र मोदी के पिछली दो सरकारों के सौ दिन पूरे होने पर हुआ था। इसे समझा जा सकता है क्योंकि 2024 के लोकसभा चुनाव नतीजों ने सरकार तो बनवा दी लेकिन हनक कमजोर कर दी थी। लेकिन हरियाणा के नतीजे मोदी सरकार की हनक वापस लाने में मददगार हो सकते हैं बशर्ते कि भाजपा अगले महीने संभावित महाराष्ट्र और झारखंड के चुनावों में ऐसा ही प्रदर्शन दोहरा सके। क्योंकि हरियाणा में भाजपा के सामने जितनी कड़ी चुनौती थी उतना ही आसान यह भी था कि उसका मुकाबला उस कांग्रेस से था जो जीती हुई बाजी आसानी से हारना जानती है जबकि महाराष्ट्र में उसे कांग्रेस के साथ साथ उन दो क्षत्रीय दलों शिवसेना (उद्धव ठाकरे) और एनसीपी (श?द पवार) की मिली जुली ताकत से भिडना है जिनके लिए यह चुनाव उनके सियासी वजूद का सवाल हैं। साथ ही हरियाणा में भाजपा अपने दम पर अकेले लड़ रही थी और लोकसभा चुनावों में पांच सीटें गंवाने के बावजूद कांग्रेस के मुकाबले विधानसभा सीटों और मत प्रतिशत में थोड़ा आगे थी। जबकि महाराष्ट्र में उसके अपने दो सहयोगी शिवसेना (शिंदे) और एनसीपी (अजित पवार) के साथ सीटों के बंटवारे से लेकर चुनाव प्रचार तक बेहतर तालमेल बिठाना होगा और उन गड्ढों को भरना होगा जो मौजूदा शिंदे सरकार के जमाने में पैदा हो गए हैं। क्योंकि लोकसभा चुनावों में भाजपा के गठबंधन (एनडीए) को कांग्रेस गठबंधन (इंडिया) के मुकाबले सीटों और मत प्रतिशत दोनों का नुकसान हुआ और विधानसभा सीटों पर भी इंडिया गठबंधन का महाविकास अघाड़ी एनडीए गठबंधन के महायुति से आगे था। इसलिए महाराष्ट्र की चुनौती हरियाणा से ज्यादा कठिन है। जबकि झारखंड में मुकाबला बराबरी का बताया जा रहा है। उधर हरियाणा के नतीजों ने भाजपा औ? उसके मातृ संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के साथ पिछले कुछ समय से रिश्तों में आई खटास को भी मिठास में बदलने का सिलसिला शुरु कर दिया है। दोनों के बीच बढ़ी दूरी की वजह से ही शायद भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जेपी नड्डा का कार्यकाल पूरे होने के बावजूद अभी तक भाजपा के नए अध्यक्ष के नाम पर कोई फैसला नहीं हो सका है। लोकसभा चुनावों के बाद जिन नामों पर मीडिया में कयास लग रहे थे उनमें ज्यादातर केंद्र सरकार में मंत्री बन चुके हैं और जो नहीं बने हैं उनके नाम भी अब चलने बंद हो गए हैं। माना जा रहा है कि यह देर इसलिए भी हो रही है कि भाजपा के मातृ संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच नए अध्यक्ष के नाम पर अभी तक सहमति बन नहीं सकी है। वैसे भी चुनाव नतीजों के बाद संघ प्रमुख मोहन भागवत के सांकेतिक बयानों ने भी सरकार और संघ के बीच सब कुछ ठीक न होने का संदेश भी लगातार दिया है। अटकलें तो यहां तक चली हैं कि संघ प्रमुख इस बार घनघोर मोदी विरोधी माने जाने वाले पर संघ नेतृत्व के दुलारे पूर्व संगठन महासचिव संजय विनायक जोशी को भाजपा अध्यक्ष बनाना चाहता है लेकिन प्रधानमंत्री मोदी और दूसरे भाजपा नेता इसके लिए तैयार नहीं हो रहे हैं। लेकिन हरियाणा में भाजपा की अप्रत्याशित जीत के पीछे एक बड़ा कारण चुनावों में संघ के पूरे तंत्र का भाजपा के पक्ष में सक्रिय हो जाना भी माना जा रहा है। कहा तो यह भी जा रहा है कि अघोषित रूप से संघ नेतृत्व ने संजय जोशी को भी हरियाणा में भाजपा की जीत सुनिश्चित करने का निर्देश दे दिया था और पर्दे के पीछे रह कर जोशी ने भी काम किया है। नतीजे जहां एक तरफ जहां मोदी के करिश्मे की कमी के भ्रम को दूर करने में मदद करेंगे वहीं इस तथ्य को भी स्थापित कर रहे हैं कि भले ही भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने लोकसभा चुनावों में यह कहा हो कि भाजपा अब इतनी बड़ी हो गई है कि उसे चुनाव जीतने के लिए संघ की जरूरत नहीं रह गई है, लेकिन हकीकत ये है कि बिना संघ के जमीनी कार्यकर्ताओं और अन्य संगठनों के तंत्र की मदद के लिए भाजपा सिर्फ एक मोदी के चेहरे और अपनी रणनीति से चुनाव नहीं जीत सकती है। यानी मोदी का करिश्मा और संघ की ताकत दोनों एक दूसरे के पूरक हैं और यही बात अब इनके बीच की कथित दूरी को खत्म कर सकती है। ये दूरी खत्म हुई या नहीं या फिर कितनी कम हुई इसका सबसे बड़ा पैमाना होगा कि भाजपा का नया अध्यक्ष कौन बनता है। क्या संघ पूरी तरह अपनी पसंद के व्यक्ति को अध्यक्ष बनवा पाएगा या मोदी शाह की पसंद के आगे संघ कमजोर पड़ेगा या फिर दोनों पक्षों के बीच इस मुद्दे पर कोई सहमति बनेगी। उधर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की सर्वोच्च न्यायालय से जमानत के बाद जिस तरह केजरीवाल ने नाटकीय तरीके से मुख्यमंत्री पद से अपना इस्तीफा देकर मंत्री आतिशी मारलेना को अपना उत्तराधिकारी बनाया है उसने भी भाजपा के सामने दिल्ली में नई चुनौती पेश कर दी है। हरियाणा और जम्मू कश्मीर के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की चुनौती को तो भाजपा ने अपनी जीत से बेकार कर दिया है लेकिन अभी महाराष्ट्र झारखंड और उसके बाद दिल्ली में विपक्षी इंडिया गठबंधन की चुनौती बरकरार है। इसको कमजोर करने के लिए ही सरकार ने अपने पिटारे से एक देश एक चुनाव वाली कोविंद कमेटी की रिपोर्ट को मंत्रिमंडल की मंजूरी देकर संसद के अगले सत्र में इसे विधेयक के रूप में लाने का साफ संकेत दे दिया है। ये राजनीति में अपने मुद्दों की माहौलबंदी की एक कवायद है। इसका संकेत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसी साल स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले से अपने संबोधन में भी दे दिया था कि भले ही उनकी सरकार इस बार सहयोगी दलों के समर्थन पर टिकी हो लेकिन सरकार अपने दोनों एजेंडों एक देश एक चुनाव और समान नागरिक संहिता पर कदम वापस नहीं खींचेगी और इसी कार्यकाल में इन दोनों पर आगे बढ़ेगी। कोविंद कमेटी की रिपोर्ट को मंजूर करके मोदी सरकार ने इस ओर एक कदम बढ़ा दिया है। एक देश एक चुनाव को मौजूदा संसद किस रूप में लेगी इसे देखने के बाद ही मोदी सरकार समान नागरिक संहिता (यूसीसी) जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले के अपने भाषण में सेक्युलर सिविल कोड भी कहा था, के अपने अगले एजेंडे पर काम करेगी। सवाल है कि जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा को पता है कि इन दोनों मुद्दों के लिए संविधान में आवश्यक संशोधन करना होगा जिसके लिए भाजपा ही नहीं पूरे एनडीए के पास भी संसद में पर्याप्त संख्या बल नहीं है तब इन्हें बजाय ठंडे बस्ते में फिलहाल डालने के सरकार इनको आगे क्यों बढ़ा रही है। जबकि यही केंद्र सरकार संसद में ही वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक को संयुक्त संसदीय समिति को सौंप चुकी है। बजट में कैपिटल गेन और इंडक्सेशन जैसे मुद्दों पर अपने कदम पीछे खींच चुकी है। आरक्षण को लेकर दलितों में क्रीमी लेयर बनाने के सुप्रीम कोर्ट के सुझाव को भी सरकार ने बाकायदा मंत्रिमंडल से प्रस्ताव पारित करके नामंजूर कर दिया। इसका एक ही जवाब है कि भले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गठबंधन सरकार चला रहे हों लेकिन वह जनता में यह संदेश बनाए रखना चाहते हैं कि जिस हनक और ठसक से मोदी सरकार एक और दो चली हैं, उसी हनक और ठसक से मोदी सरकार तीन भी चल रही है ओर चलेगी। इसलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तकरीबन उन्हीं चेहरों को मंत्री बनाया जो मोदी सरकार दो में थे और कमोबेश ज्यादातर मंत्रियों के विभाग भी नहीं बदले गए। यहां तक कि लोकसभा अध्यक्ष भी वही ओम बिड़ला हैं जिन्हें लेकर पिछली लोकसभा में विपक्ष ने खासा विवाद पैदा किया था। बावजूद इसके सरकार को कुछ मुद्दों पर जरूर अपने कदम वापस खींचने पड़े हैं जिनकी भरपाई अपने मूल दोनों मुद्दों एक देश एक चुनाव और समान नागरिक संहिता को आगे बढ़ाकर प्रधानमंत्री मोदी करना चाहते हैं। हरियाणा और जम्मू के नतीजों ने उन्हें नई ताकत दी है। उधर कांग्रेस को हरियाणा के नतीजों ने जबर्दस्त झटका दिया है। जहां राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे इन नतीजों को अप्रत्याशित बता रहे हैं वहीं पार्टी प्रवक्ता इनके लिए चुनाव आयोग और ईवीएम को कटघरे में खड़ा कर रहे हैं। कांग्रेस के प्रतिनिधि मंडल ने चुनाव आयोग से कुछ जिलों में ईवीएम मशीनों की बैट्री के 99 फीसदी तक चार्ज रहने पर सवाल उठाते हुए अपनी शिकायत भी दर्ज कराई है। लेकिन नतीजों पर विचार करने के लिए शीर्ष नेतृत्व ने बैठक की जिसमें राहुल गांधी ने कहा कि नेताओं ने पार्टी से ज्यादा अपने हितों को आगे रखा जिसकी वजह से यह अप्रत्याशित हार हुई। पार्टी ने एक जांच समिति बनाकर कारणों का पता लगाने का फैसला किया है जो हर चुनावी हार के बाद कांग्रेस में होता है लेकिन नतीजा ढाक के तीन पात वाला ही होता है। लेकिन इन नतीजों ने इंडिया गठबंधन में कांग्रेस की हैसियत फिर कमजोर कर दी है जैसी 2023 के आखिर में तीन राज्यों में हुई हार के बाद हुई थी। सहयोगी दलों शिवसेना (उद्धव), समाजवादी पार्टी और आम आदमी पार्टी के साथ साथ जम्मू कश्मीर में साथ लड़ी नेशनल कांफ्रेंस ने भी अपने तेवर तीखे करते हुए कांग्रेस को अपने कील कांटे दुरुस्त करने की नसीहत दी है।शिवसेना (उद्धव) की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने तो चुनाव नतीजों के बीच में भाजपा को जीत की बधाई देते हुए उसकी रणनीति की सराहना की और कहा कि कांग्रेस जहां भाजपा से अकेले चुनाव लड़ती है वहां हार जाती है। उसे अपनी रणनीति पर विचार करना चाहिए। मतलब साफ है कि महाराष्ट्र में अगर जीतना है तो सहयोगी दलों के पीछे चलना होगा और मुख्यमंत्री के चेहरे के रूप में उद्धव ठाकरे को आगे करना होगा। हरियाणा की 89 सीटों पर चुनाव लड़कर महज पौने दो फीसदी वोट पाने वाली आम आदमी पार्टी ने भी हरियाणा में कांग्रेस की हार के लिए आप से गठबंधन न करने को जिम्मेदार ठहराते हुए दिल्ली विधानसभा चुनावों में अकेले उतरने का ऐलान कर दिया।लेकिन पहले दिन दस में छह उम्मीदवार घोषित करते हुए कांग्रेस पर निशाना साध चुके सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कांग्रेस को राहत देते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश की दस विधानसभा सीटों के उपचुनावों में सपा कांग्रेस का गठबंधन जारी रहेगा। अब बची चार सीटों में से कांग्रेस को ज्यादा से ज्यादा दो सीटें ही मिल सकेंगी। कुल मिलाकर कांग्रेस को हरियाणा की हार की कीमत अपने सहयोगियों के सामने नरम होकर चुकानी पड़ेगी क्योंकि उसके लिए भाजपा को महाराष्ट्र झारखंड और दिल्ली में हराना बेहद जरूरी है वरना लोकसभा चुनावों से विपक्ष के हक में बना माहौल पूरी तरह ध्वस्त हो जाएगा और इंडिया गठबंधन के बिखरने का खतरा भी बढ जाएगा। इससे सबसे ज्यादा नुकसान होगा राहुल गांधी की छवि को जो बमुश्किल उनकी दोनों भारत यात्राओं के बाद न सिर्फ सुधरी बल्कि उससे पार्टी और विपक्ष को चुनावी फायदा भी हुआ। अब उसके सामने राहुल की छवि और विपक्षी गठबंधन को बनाए और बचाए रखने की कड़ी चुनौती है। इसलिए अगर कांग्रेस ने हरियाणा से सबक लेकर महाराष्ट्र और झारखंड में अपनी रणनीति, अपने संगठन और उम्मीदवारों के चयन के साथ साथ मुद्दों और प्रचार को दुरुस्त कर लिया वह महाराष्ट्र झारखंड में कामयाबी से हरियाणा की हार के झटके से उबर सकती है लेकिन अगर कोई सबक नहीं लिया तो पिछले दो सालों में राहुल गांधी द्वारा की गई मेहनत पर पानी फिर सकता है। अब यह कांग्रेस और राहुल गांधी को तय करना है कि उन्हें किस रास्ते जाना है।

विकसित भारत के स्वप्न दृष्टा अब्दुल कलाम साहब

भारत के कलाम साहब यकीनन विकसित भारत के स्वप्न दृष्टा के रूप में काबिज हैं। उनका सपना भारत को आत्मनिर्भर बनाने का था। जिसे उन्होंने शिद्दत से पूरा करने का प्रयास भी किया। वो एक बेहतरीन शिक्षक, श्रेष्ठ वैज्ञानिक, सादगी पसन्द जनता के राष्ट्रपति, एक आसाधारण व्यक्तित्व वाली शख्सियत के तौर पर विश्वविख्यात हैं। 21वीं सदी की बड़ी उपलब्धि भारत की लगातार बढ़ती अर्थव्यवस्था है। जो विश्व में अपनी बढ़त बनाने में कामयाब हो रही है। विकसित भारत के बुनियादी शिल्पकारों में से एक शिल्पी भारत के कलाम साहब भी है। जिन्होंने भारत को आत्मनिर्भर बनते हुए देखने का सपना संजोया था। वो भारतवर्ष के उन चुनिंदा सपूतों में से हैं जिन्होंने भारत को दुनिया के समक्ष सीमित साधनों के साथ कामयाबी का पर्याय बनाया। जिन्होंने असंभावनाओं को आने वाली सम्भावनाओं में तबदील किया। विरले ही होते हैं ऐसे लोग जो स्वयं से पूर्व राष्ट्र को रखते हैं। भारत की बेमिसाल शख़्सियत थे, भारत के अब्दुल कलाम साहब जिन्होंने भारत की युवा पीढ़ी को खुली आंखों से सपने देखने और उन्हें पूरा करने के लिए प्रेरित किया। वो स्वयं भी ऐसे ही सकारात्मक विचारों से ओत-पोत रहते थे। बचपन में पंक्षियों को आकाश में उड़ते देख आसमानों में परवाज़ होने की ख्वाहिश ने उन्हें संसार के क्षितिज पर परवाज करने का सफर तय कराया। भारत के कलाम साहब यकीनन विकसित भारत के स्वप्न दृष्टा के रूप में काबिज हैं। उनका सपना भारत को आत्मनिर्भर बनाने का था। जिसे उन्होंने शिद्दत से पूरा करने का प्रयास भी किया। वो एक बेहतरीन शिक्षक, श्रेष्ठ वैज्ञानिक, सादगी पसन्द जनता के राष्ट्रपति, एक आसाधारण व्यक्तित्व वाली शख्सियत के तौर पर विश्वविख्यात हैं। बहुत कम व्यक्ति होते हैं जिन्हें लोगों के दिलों में शासन करने का मौका मिलता है। कलाम साहब उन महान शख्सियतों में से हैं जिन्हें समस्त हिन्दुस्तानियों ने अपने दिलों में बसाया। तमिलनाडु के रामेश्वरम् में जैनुलआबिदीन और आशिअम्मा के घर 15 अक्टूबर 1931 को कलाम साहब का जन्म हुआ। उनके पिता पेशे से एक नाविक और मां एक गृहिणी थीं। माता-पिता निहायत ही संजीदा और अमन पसन्द लोगों में शुमार थे। जिसका प्रभाव कलाम साहब पर दिखाई देता है। कलाम साहब का जन्म उस दौर में हुआ जब भारत स्वतंत्रता के संघर्षों में घिरा हुआ था। भारत गुलाम था। कलाम साहब का बचपन उस दौर की यादों से भी गुजरा जब भारत में साइंस और तकनीकी जादू की दुनिया से कम न थी। फिर भी उन्होंने अपने सपनों को सकारात्मकता की उड़ान दी। दुनिया को यह यकीन करने में मजबूर कर दिया कि वो दिन भी आएगा जब भारत विज्ञान और तकनीकी की दुनिया में पहली पंक्ति में खड़ा होकर दुनिया की आखों में आखें डाल विकास की उड़ान भरेगा। वो अकसर कहते थे, कि 'सपने वे नहीं होते, जो आपको रात में सोते समय नींद में आए बल्कि सपने वे होते हैं, जो रात में सोने ही न दें।' उनके सकारात्मक विचार भारत के युवाओं में जोश भरने का काम करते हैं। वो आज भी युवाओं के सबसे पसन्दीदा अध्यापक हैं। उनका छात्रों के साथ बेहद लगाव था। उनके जन्मदिन को विश्व छात्र दिवस के रूप में मनाया जाता है। उनका मानना था कि यदि किसी देश को भ्रष्टाचार से मुक्त होना है और खूबसूरत दिमाग वाले लोगों से भरना है तो समाज में तीन ऐसे लोग हैं, जो ऐसा कर सकते हैं। वे हैं माता-पिता और अध्यापक सम्भवतः इसीलिए वो सबसे खुश एक अध्यापक के तौर पर नज़र आए। अपने जीवन के अन्तिम क्षण में भी वे शिलांग के छात्रों में उत्साह भरने का काम कर रहे थे। छात्रों और शिक्षा के प्रति डॉ. कलाम साहब के प्रयासों को सम्मान देने के लिए उनके 79वें जन्मदिवस पर संयुक्त राष्ट्र संगठन ने उनके जन्मदिन को विश्व छात्र दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की। तब से निरन्तर दुनिया कलाम साहब के जन्मदिन को विश्व छात्र दिवस के रूप में मनाती है। 27 जुलाई सन् 2015 को उनका शरीर भौतिक रूप से हमारे मध्य न रहा लेकिन आज भी प्रत्येक होनहार संघर्षशील छात्र के तरक्की पसन्द विचारों में कलाम साहब देखे जा सकते हैं। वे छात्रों के सबसे पसन्दीदा अध्यापक, मेण्टोर, मोटीवेटर के रूप में आज भी मौजूद हैं। विश्व छात्र दिवस का उददेश्य, दुनियाभर के छात्रों को शिक्षा के महत्व से परिचित कराना है ताकि शिक्षा के मौलिक अधिकारों की प्राप्ति हो सके। किसी भी देश के छात्र, उस देश के मेरूदण्ड से कम नहीं होते हैं। ऐसे में युवाओं के देश भारत में, तरक्की और कामयाबी की असंख्य संभावनाएं हैं। जरूरत उन्हें सही दिशा देने की है। आकाश की उड़ान भरने के लिए हवाई जहाज या अन्य साधनों से भी ज्यादा आवश्यक है हौसला। हौसलों की लम्बीं उड़ान दुनिया के आसमान में बादशाहत कायम करने में सक्षम है। ऐसे अनेक उदाहरण मौजूद हैं जिनमें हम खुली आंखों के सपनों को पूरा होते हुए देख सकते हैं। कलाम साहब उसी हौसले की उड़ान से आसमान में परवाज करने की बातें छात्रों से दोहराते रहे। एम.आई.टी. में पढ़ाई के दौरान वो अकसर वहां रखे दो हवाई जहाजों के पास बैठ अपने सपनों को हकीकत में बदलने की ख्वाहिशों में अकसर तल्लीन रहते। इल्म हासिल करने को लेकर उनके विचार स्पष्ट थे। वो कहते थे इल्म बड़ा करामाती हथियार है। जिसका इल्म जितना ज्यादा होगा, उतना ही वह आजादी का हकदार होगा। भारत को मिशाइल टेक्नोलॉजी के हुनर में दुनिया के चन्द चुनिंदा देशों के बराबर खड़ा करने में डॉ. कलाम साहब का बड़ा योगदान है। अग्नि की सफल उड़ान से पूर्व डिफेंस मिनिस्टर ने उनसे सवाल किया कि आर्प अग्न की सफलता पर किस प्रकार से अपनी खुशी जाहिर करना चाहेंगे, तब उन्होंने कहा कि 'हम एक लाख पेड़ों की कोपलें लगाएंगे।

ADHUNIK TUTORIALS

" FOR THE STUDENTS, FROM A STUDENT "

FOR CLASSES 1st 5th

(ADMISSION OPEN)

FACILITIES

- Air Conditioned & Well Furnished Classroom
- Water Cooler Available
- Hygienic Washrooms
- CCTV for Safety Purposes
- In Campus Parking

Dr. (Er)PuneetArora (HON. DIRECTOR)
(B.Tech, M. Tech, MBA , Ph.D)
Awarded with ' Young Scientist & Best Teachers, Author of Many Books Chapters, Research Paper, Patent & Trademarks

Ms.Nilanjana Arora (Assistant Director)

- Ex. Student of Bethany Convent School, Bishop Johnson School & College, Girl's High School & College
- Pursuing B.Tech
- Awarded by TCS
- Certification in the Field of Web Development and Machine Learning .

Ms. Riya Arora (Counsellor)

- Ex. Student of Delhi Public School.
- Subject Topper of Delhi Public School
- Pursuing LLB from University of Allahabad .

Address: B-Block, ADA Colony, Mtek Campus, Naini, Prayagraj .

Contact :- Call and Whatsapp: 8542919234

मां दुर्गा जी की हुई भावभीनी विदाई

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा। सेक्टर 82 पाकेट 7 जनता फ्लैट सेन्ट्रल पार्क में मां दुर्गा का पंडाल लगा हुआ था आज दशमी के पावन पर्व पर सुबह आरती हवन हुआ तत्पश्चात महाप्रसाद का वितरण किया गया दोपहर में सिंदूर खेला गया उसके बाद ढोल नगाड़ों के साथ मा की प्रतिमा का विसर्जन किया गया। विदाई के समय लोगों के नयन नम थें। बहुत महिलाएं तो ऐसे रो रही थी जैसे अपने परिवार के किसी सदस्य की विदाई हों रही है। नजारा बहुत गमगीन था। सभी लोगों माता जी के जयकारे के साथ मां की विदाई की। इस मौके पर संजीव ढाली, तिमिर बरोन, निर्मल विश्वास, अनिमेष मंडल, गोपाल पोल ,मिलन घोष, राजकुमार, सजल अधिकारी, सरोज गांगुली, रीबा मजूमदार, अंजू, किया,अला कुमार, प्रधान, संतोष, अजय, अमन, संतोष,गौर दा, गोरे लाल, अजय श्रीवास्तव, संजय पांडेय,अंगद सिंह तोमर, संजय शुक्ला, प्रमोद श्रीवास्तव, धीरज कान्याल,पंकज झा, हंस मणि शुक्ल, शुसील पाल, प्रकाश जोशी, नीरज शर्मा, अमितेश कुमार सिंह,घनश्याम जोशी,आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे।

भरत द्वारा अपने भाई राम का अयोध्या में स्वागत करना एवं राज्याभिषेक करने के साथ लीला मंचन का हुआ समापन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा। नोएडा श्री राम लखन धार्मिक लीला कमेटी सेक्टर 46 के ग्राउंड में रामलीला रविवार को रामलीला के 11 दिन भरत द्वारा अपने भाई रामचंद्र का अयोध्या में स्वागत करना और उनका धूमधाम से राज्य अभिषेक करने के बाद रामलीला मंचन का सफल संचालन हुआ। इस अवसर पर समापन के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में नोएडा भाजपा के जिला अध्यक्ष मनोज गुप्ता, वरिष्ठ समाजसेवी पीयूष द्विवेदी द्वारा भाग लिया गया। इस अवसर पर सुदेश गुप्ता डिप्टी एसपी यूपी पुलिस , राजीव गुप्ता डिप्टी एसपी अप पुलिस, तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ समाजसेवी राजीव मित्तल, ठाकुर नेपाल सिंह, डॉ वीके गुप्ता मौजूद रहे।इस अवसर पर एडवोकेट राजीव त्यागी, मनोज अग्रवाल, डॉ हरीश मिश्रा, नंदकिशोर बंसल, अरुण चौहान, अनिल बबर, संजीव गुप्ता, धर्मेंद्र गुप्ता, नीरज शर्मा, एनसी त्यागी मौजूद रहे। इस अवसर पर रामलीला आयोजन समिति के अध्यक्ष विपिन अग्रवाल ने आए हुए मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि को स्मृति चिन्ह देकर उनका स्वागत किया। साथ रामलीला में बेहतर कार्य करने वाले और कलाकारों को सम्मानित कियावही रामलीला में सहयोग देने वाले श्री राम लखन धार्मिक लीला कमेटी के सदस्य एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिक और पुलिस ,प्रशासन, नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियो और पत्रकार बंधुओ का आभार प्रकट किया वहीं रामलीला देखने आने वाले भक्तों का आभार प्रकट कियाइस अवसर पर आयोजक समिति के अध्यक्ष मनोज अग्रवाल सी एम् डी प्रिया गोल्ड,वाइस चेयरमैन राजेंद्र जैन , वाइस चेयरमैन पूनम सिंह, अध्यक्ष विपिन अग्रवाल , महासचिव गिर्राज अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सुशील कुमार सिंघल, पंडित कृष्णा स्वामी, संजय गोयल, आलोक गुप्ता , गौरव कुमार यादव, रामवीर यादव , अशोक गोयल, विकास बंसल , संदीप अग्रवाल, कुलदीप गुप्ता, प्रदीप अग्रवाल,सीए मनोज अग्रवाल,अनुज गुप्ता, मुकेश गुप्ता, अभिषेक जैन, प्रदीप गुप्ता, पीयूष द्विवेदी, शरद कुमार सिंह, सी ए राजीव जैन, राहुल गुप्ता , तेजेंद्र मलिक, सौरभ अग्रवाल, रोहिणी नगर, डॉक्टर मनोज अग्रवाल का रामलीला में विशेष सहयोग रहा।

ग्रेनो वेस्ट सांस्कृतिक मंच की भव्य श्री बाल रामलीला ने ग्रेटर नोएडा वेस्ट में इतिहास रच दिया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा। नोएडा वेस्ट की सबसे बड़ी संपूर्ण श्री बाल रामलीला एर्ई ण्ळथ्ऊर्ळेंथ् ऊेंशि् की एक अद्भुद

प्रस्तुति। कुल 62 बच्चों ने लगभग तीन घंटे तक अद्भुत प्रस्तुति दी, जिसमें राम जन्म से लेकर राज्याभिषेक तक का मंचन किया गया।ग्रेनो वेस्ट सांस्कृतिक मंच के सदस्य आशीष दुबे ने बताया, ठ8 से लेकर 14 वर्ष तक के बच्चों ने मिलकर श्री बाल रामलीला की प्रस्तुति दी, जिसे दर्शकों ने बहुत पसंद किया।ठ अभिनव पराशर ने स्क्रिप्ट डिजाइनिंग और बच्चों को अभीनय सिखाने का काम किया, जबकि शिप्रा गुप्ता, दीप्ति, पूजा झा, मोनिका पाराशर, साक्षी सिंह ने अभिनय सिखाने के साथ-साथ कोरियोग्राफर, कॉस्ट्यूम, मंच संचालन, एवं अन्य व्यवस्थाओं में अपनी सहभागिता दर्ज कराई। टिम के मुख्य सदस्य प्रतिक रस्तोगी ने बताया, ठप्रॉप टीम ने मंच को जीवंत बनाने के लिए पेड़, पहाड़, पत्थर, धनुष, नाव इत्यादि बनाने का काम कियाजो मुख्य रूप से प्रमिला कपूर, दीपिका लोहानी, सरिता सिन्हा, अंकिता श्रीवास्तव, खुशबू सेठी, ऋचा श्रीवास्तव, प्रियंका कनौजिया, रश्मी झा, शेफाली सक्सेना मोनिका डिमरी, रेनू, मोनिका परासर, पूजा ए झा सामिल हैं सोशल एक्टिविस्ट गिरीश चंद्र शुक्ला ने बताया की बाल रामलीला की शुरुआत पंडित जी के द्वारा शंखनाद और मंच पूजन से शुरू हुआ, साथ ही उन सभी वॉलिंटियर्स का धन्यवाद कहा, जिन्होंने श्री बाल रामलीला को संपन्न कराने में तन-धन और मन से समर्पित रहे।इस आयोजन के लिए को बधाई! यह भव्य आयोजन बच्चों की प्रतिभा और समर्पण का एक सुंदर परिचायक है।

बॉलीवुड/टेली मसाला

उत्तरी अमेरिका में 20 लाख डॉलर के पार पहुंची वेट्टैयन, रजनीकांत के नाम हुई यह खास उपलब्धि

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। सुपरस्टार रजनीकांत इन दिनों अपनी फिल्म वेट्टैयन को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में इस फिल्म ने सिनेमाघरों में दस्तक दी

है। भारत में इस फिल्म को मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली है। हालांकि, उत्तरी अमेरिका में यह फिल्म अच्छा प्रदर्शन कर रही है। ताजा आंकड़ों की मानें तो यह फिल्म उत्तरी अमेरिका में 20 लाख डॉलर की कमाई कर चुकी है। रजनीकांत भारत के उन सितारों में से एक हैं, जिनके प्रशंसकों की संख्या विदेश में भी काफी ज्यादा है। यही वजह है कि उनकी यह फिल्म दूसरे देश में भी अच्छा प्रदर्शन कर रही है। उत्तरी अमेरिका में हुई फिल्म की इस कमाई के साथ रजनीकांत के नाम एक खास उपलब्धि जुड़ गई है। अब रजनीकांत सबसे ज्यादा उत्तरी अमेरिका में दो मिलियन यानी 20 लाख डॉलर की कमाई वाली फिल्में देने वाले अभिनेता बन गए हैं। दक्षिण भारत के किसी अभिनेता ने अब तक यह उपलब्धि हासिल नहीं की है। फिल्म की स्टारकास्ट की बात करें तो रजनीकांत के अलावा इस फिल्म में अमिताभ बच्चन ने भी काम किया है। फिल्म हम के कई वर्षों के बाद दोनों एक साथ बड़े पर्दे पर नजर आए हैं। मंजू वारियर, रितिका सिंह, राणा दग्गुबाती, फहद फासिल, दुशारा विजयन समेत और भी कई शानदार कलाकार हैं। लाइका प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी इस फिल्म का निर्देशन टीज ज्ञानवेल ने किया है। वहीं, अनिरुद्ध रविचंदर ने इस फिल्म को अपनी धुनों से सजाया है।

आज भी अकेला रहना पसंद करती हैं मल्लिका शेरावत, बोलीं- जहां मन आया चल दिए

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेत्री मल्लिका शेरावत ने रोमांटिक ड्रामा फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो से बॉलीवुड में वापसी की है। मल्लिका का कहना है कि वह सिंगल होकर बेहद खुश हैं और वह इस समय का भरपूर आनंद ले रही हैं, वह जब चाहे अपना बैग पैक करती हैं और जहां मन चाहे घूम सकती हैं।मल्लिका शेरावत ने मर्डर, प्यार के साइड इफेक्ट्स और वेलकम जैसी कई फिल्मों में अपनी भूमिकाओं से दर्शकों को अपना दीवाना बनाया है। हालांकि, पिछले कुछ सालों से वह बड़े पर्दे से दूर रही हैं, लेकिन विक्की विद्या का वो वाला वीडियो से वापसी करने के बाद मल्लिका के प्रशंसक बेहद खुश हुए। इस फिल्म में मल्लिका के अलावा राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी अहम किरदार में नजर आए। बॉलीवुड में अपनी मनोरंजक वापसी के बारे में बात करते हुए, मल्लिका ने सिंगल होने के कई फायदे बताए। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक इंटरव्यू के दौरान,

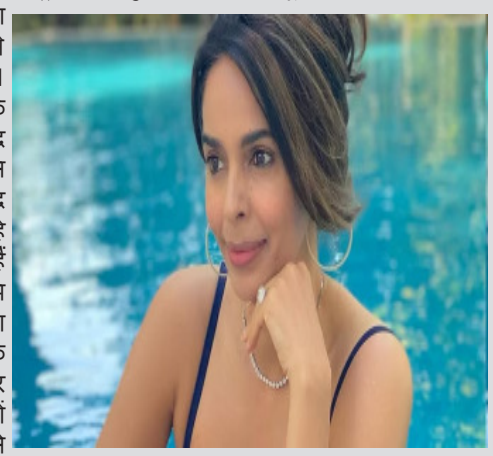

मल्लिका ने कहा सिंगल होने पर उन्हें बहुत ज्यादा ध्यान मिलता है, जो उन्हें बहुत पसंद है। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह सिंगल हैं, तो अभिनेत्री ने कहा, ठहांठ और कहा कि उन्हें यह बहुत पसंद है, जहां मन आया चल दिए। आगे मल्लिका ने कहा, "मैं जहां चाहूं जा सकती हूं। यही मुझे पसंद है।" आगे मल्लिका ने कहा कि अगर कोई इंसान अपना काफी वक्त और भावनाएं किसी दूसरे व्यक्ति के साथ साझा करने जा रहा है, तो उसके साथी को इसके लायक होना चाहिए। एक इंटरव्यू में मल्लिका ने कहा कि उन्होंने देश छोड़कर नकारात्मकता का सामना किया। मल्लिका ने कहा, ठमैंने देश छोड़ दिया। मैंने इससे इस तरह निपटाया। मुझे आलोचना का सामना करना पड़ा। आप जानते हैं कि मैं इससे निपट नहीं सकती थी। इस बात से मेरा दिल टूट गया था इसलिए उस वक्त मैंने देश छोड़ दिया। मैंने कहा कि मुझे वास्तव में समझदार महसूस करने के लिए इस देश से बाहर जाने की जरूरत है।मल्लिका ने कहा कि "आज बहुत कुछ बदल गया है। आज अगर हम बहुत सारी वेब सीरीज देखें, तो बोल्ड सींस होना बहुत आम है।" मल्लिका की वापसी फिल्म, विक्की विद्या का वो वाला वीडियो राज शांडिल्य द्वारा निर्देशित है।

रोने के बाद सोशल मीडिया पर तस्वीर साझा करती हैं अनन्या पांडे बोलीं- 'इससे खूबसूरती बढ़ती है

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। अनन्या पांडे अक्सर अपनी फिल्मों और अपनी पसंद को

लेकर बात करती रहती हैं। अब अनन्या पांडे ने कहा है कि उन्हें रोने के बाद तस्वीरें खिचवाना पसंद है क्योंकि इससे वह और खूबसूरत दिखती हैं। अनन्या पांडे अपने फिल्मों और बातों के कारण अक्सर चर्चा में रहती हैं। अनन्या को हाल ही में विक्रमादित्य मोटवानी की फिल्म कंट्रोल में देखा गया। ये फिल्म ओटीटी पर रिलीज हुई थी। अनन्या पांडे अक्सर सोशल मीडिया पर अपनी फोटो साझा करती रहती हैं। अनन्या ने अब अपनी तस्वीरों को लेकर काफी चौंकाने वाली बात कही हैं। अनन्या ने कहा कि उन्हें रोने में मजा आता है क्योंकि इसके बाद वह और भी सुंदर लगती हैं।अनन्या पांडे ने एक बातचीत के दौरान बताया कि उनको रोना पसंद है। उनकी तस्वीरें बहुत खूबसूरत आती हैं, जब वह रोने के बाद फोटो क्लिक करवाती हैं। अनन्या ने कहा कि कई बार रोने के बाद वह अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा करती हैं क्योंकि इससे उनकी सुंदरता और बढ़ जाती है। हालांकि, ऐसा पहली बार नहीं है जब अनन्या पांडे ने रोने को लेकर बात की है। अनन्या पांडे इससे पहले भी कह चुकी हैं कि अपने आप को जल्दी लोगों के सामने प्रस्तुत नहीं कर पाती हैं, जिसके कारण उन्हें रोना आ जाता है। वह हमेशा ऐसा करते हैं। ऐसा हमेशा ही होता है और बेहतर होता है इसलिए मुझे लगता है कि ऐसा हमेशा करना चाहिए। अनन्या ने एक बातचीत के दौरान कहा, 'मुझे लगता है कि मैं स्क्रीन पर खुद को देखने में बेहतर हो गई हूं, लेकिन जब मैंने शुरुआत की थी, तब भी अगर कोई अपने फोन पर मेरा वीडियो देख रहा होता था, तो मैं कमरे से बाहर भाग जाती थी'। उन्होंने यह भी कहा था कि उन्हें अपनी आवाज सुनना पसंद नहीं है। अनन्या पांडे यह भी कह चुकी हैं कि वह खुद को बड़े पर्दे पर देखते समय भूल जाती हैं कि वहां वे खुद हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो अनन्या 'शंकरा' में नजर आने वाली हैं। फिल्म में अक्षय कुमार और आर माधवन भी दिखने वाले हैं। फिल्म का निर्देशन करण सिंह त्यागी करेंगे।

उड़ता पंजाब' के लिए करना पड़ा था ऐसा संघर्ष, 'गंगूबाई काठियावाड़ी' से आलिया भट्ट में आया बदलाव

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। आलिया भट्ट ने हाल ही में अपनी फिल्म उड़ता पंजाब और गंगूबाई काठियावाड़ी को लेकर

बात की है। आलिया भट्ट ने बताया कि कैसे उड़ता पंजाब की शूटिंग के दौरान वह काफी समय तक शारीरिक और मानसिक रूप से दुनिया से अलग महसूस कर रही थीं। आलिया भट्ट अपने दमदार अभिनय और चुलबुले स्वभाव के कारण प्रशंसकों के दिलों पर राज करती हैं। आलिया भट्ट की फिल्म जिगरा इन दिनों बड़े पर्दे पर नजर आ रही है। आलिया ने सिनेमा की दुनिया में कई तरह के किरदार निभाए, जिसके लिए उन्हें प्रशंसा और नेशनल फिल्म पुरस्कार से भी नवाजा गया है। एक बातचीत के दौरान आलिया ने अपनी फिल्म 'उड़ता पंजाब' को लेकर बात की है। उन्होंने कहा, इस फिल्म में काम करने के लिए वह शारीरिक और मानसिक रूप से दुनिया से अलग सी हो गई थीं। आलिया भट्ट ने अपनी बातचीत के दौरान बताया कि आलिया भट्ट ने बताया कि इस फिल्म की शूटिंग के दौरान वह काफी समय तक घर से दूर सड़कों पर शूट कर रही थीं। आलिया ने कहा, 'फिल्म की शूटिंग के दौरान मैं शारीरिक रूप से दुनिया से अलग हो गई थीं। साथ ही भावनात्मक तौर पर कुछ समय के लिए शांत हो गई थी, इसका कारण था कि मैं जिस तरह की फिल्म कर रही थी। आलिया भट्ट ने बताया कि संजय लीला भंसाली का कहना है कि कोई भी कलाकार उनकी निर्देशित फिल्म में काम करने के बाद पहले जैसा नहीं रहता है। आलिया ने कहा कि वह पहले जैसी नहीं रहीं। आलिया ने कहा कि 'गंगूबाई काठियावाड़ी' फिल्म करने के बाद वह वैसी अभिनेत्री नहीं रहीं जैसी वह पहले थीं। उन्होंने इस फिल्म में काम करने की वजह से बहुत कुछ सीखा है।गंगुबाई काठियावाड़ी फिल्म को लेकर भी आलिया भट्ट ने बात की। उन्होंने कहा गंगुबाई काठियावाड़ी फिल्म में अभिनय और किरदार के कारण उन्हें नेशनल फिल्म अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। वर्कफ्रंट की बात करें तो आलिया भट्ट 'अल्फा' में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म में मुंज्या में काम कर चुकी शर्वरी भी प्रमुख किरदार में नजर आने वाली हैं।

सोनम कपूर ने साझा की बेटे वायु की प्यारी तस्वीर, कैप्शन में पति ने लिखा- 'तेजी से बढ़ रहा है'

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। सोनम कपूर और आनंद आहूजा बॉलीवुड चर्चित और मशहूर जोड़ों में से एक हैं। दोनों एक प्यारे

से बेटे के माता-पिता हैं। सोनम कपूर को अक्सर अपने नन्हें बेटे की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा करते हुए देखा जाता है। अभिनेत्री ने एक बार फिर अपने बेटे की एक प्यारी सी तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा की है, जिसमें उनके बेटे के तेजी से बड़े होने का जिक्र किया है। 13 अक्टूबर को अभिनेत्री सोनम कपूर ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपने पति आनंद आहूजा की साझा की हुई बेहद प्यारी स्टोरी साझा की। स्टोरी में उनके बेटे वायु को हाथ में गेंद लिए देखा जा सकता है। कमरे से बाहर निकलते समय उन्हें कैमरे से दूर जाते देखा गया। पोस्ट में सोनम कपूर को टैग करते हुए कैप्शन दिया गया, 'तेजी से बढ़ रहा है' इस तस्वीर में सोनम के बेटे वायु ने मैचिंग पैंट और काले जूतों के साथ नीली शर्ट पहन रखी है। कुछ दिन पहले ही, आनंद और सोनम ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक संयुक्त पोस्ट साझा की थी, जिसमें मालदीव में अपनी छुट्टियों की झलक दिखाई थी। तस्वीरों और वीडियो की एक श्रृंखला में उनके दो साल के बेटे के साथ उनकी पहली छुट्टी के खुशनुमा पलों को दिखाया गया था।

चार दिन की शूटिंग के बाद अचानक कर दिया गया प्रभास की फिल्म से बाहर, रकुल का बड़ा खुलासा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। रकुल प्रीत सिंह बॉलीवुड की प्रतिभाशाली अभिनेत्रियों में से एक हैं। उनकी फैन फॉलोइंग लाखों में है और वह अपने अभिनय से दर्शकों से दिलों पर राज करती

हैं। रकुल ने अपने करियर की शुरुआत कन्नड़ और तेलुगु फिल्मों से की थी। हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में उन्होंने यारियां से कदम रखा था। अभिनेत्री ने हाल ही में मुंबई में अपने शुरुआती संघर्षों के बारे में खुलकर बात की। इस दौरान उन्होंने यह भी याद किया कि कैसे चार दिन शूटिंग करने के बाद उन्हें प्रभास की फिल्म से अचानक निकाल दिया गया था। फिल्मफेयर से बात करते हुए रकुल ने कहा, ठमुझे लगता था कि अगर मुझे कोई भूमिका नहीं मिली तो कोई बात नहीं, मेरे लिए कुछ और है। मैं उस समय कांदिवली में रह रही थी। मैं अभिनेता/मॉडल सर्किट से अलग थी। मैं लगन से जाती और अपना काम करती थी। बहुत सारे रिजेक्शन भी होते थे। तेलुगु में एक फिल्म थी, जिसकी मैंने चार दिनों तक शूटिंग की और बाद में मुझे रिप्लेस कर दिया गया। यह फिल्म प्रभास के साथ थी।उन्होंने कहा, ठयह मेरी बेहतरी के लिए ही था। उस समय मैं नई थी और कॉलेज में दूसरे वर्ष में थी। मैं अपनी परीक्षाओं के लिए सेट पर अध्ययन करती थी। फिल्म का नाम मिस्टर परफेक्ट था । पहला शेड्यूल खत्म होने के बाद जब मैं दिल्ली गई तो वहां मुझे पता चला कि मेरी जगह काजल अग्रवाल को फिल्म में कास्ट कर लिया गया है। शूटिंग के दौरान काजल और प्रभास की एक और फिल्म रिलीज हुई थी और यह एक ब्लॉकबस्टर बन गई थी। इसलिए निर्माताओं ने अपनी फिल्म में उसी कलाकार को दोहराने के बारे में सोचा। यह एक व्यावसायिक फैसला था। ऐसा कई बार होता है जब एक नई लड़की को बदल दिया जाता है।रकुल ने कहा, ठमैं दिल्ली वापस गई और उन्होंने मुझसे कहा कि वे मुझे दूसरे शेड्यूल के बारे में बताएंगे। जब मैं दिल्ली वापस गई तो मुझे पता चला कि मैं रिप्लेस हो चुकी हूं। मैंने कहा कि ठीक है। मेरे लिए कुछ बेहतर होगा।वर्क फ्रंट की बात करें तो काजल को हाल ही में कमल हासन की फिल्म इंडियन में देखा गया था। इस फिल्म में वह सिद्धार्थ के साथ नजर आई थीं। वहीं, उनके आगामी प्रोजेक्ट की बात करें तो अभिनेत्री के पास इंडियन 3 और दे दे प्यार दे 2 जैसी बड़े बजट की फिल्में हैं।

सप्ताहांत में 'विक्की विद्या' से पीछे रही 'जिगरा'

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। सिनेमाघरों में इन दिनों जिगरा, विक्की विद्या का वो वाला वीडियो, वेट्टैयन और देवरा मुख्य रूप से प्रदर्शित हो रही हैं। हालांकि, कोई भी फिल्म टिकट खिड़की पर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर रही हैं। हाल ही में आई आलिया की जिगरा को दर्शकों की ठंडी प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी अभिनीत फिल्म को भी कुछ खास पसंद नहीं किया जा रहा है। इसके अलावा रजनीकांत की वेट्टैयन की रफ्तार उनकी पिछली फिल्म जेलर से काफी धीमी है। जूनियर एनटीआर की देवरा का भी टिकट खिड़की पर बुरा हाल है। आइए जानते हैं कि रविवार को किस फिल्म ने कैसा प्रदर्शन किया।फिल्म जिगरा में आलिया भट्ट एक्शन अवतार में नजर आई हैं। हालांकि, फिल्म को दर्शक कुछ खास पसंद नहीं कर रहे हैं। यही वजह है कि चार साल पहले आई उनकी फिल्म राजी से भी यह फिल्म काफी पीछे है। जिगरा ने पहले दिन चार करोड़ 55 लाख रुपये का कलेक्शन किया था। वहीं, दूसरे दिन फिल्म ने छह करोड़ 55 लाख रुपये बटोरे थे। ताजा आंकड़ों

के मुताबिक तीसरे दिन इस फिल्म ने पांच करोड़ 53 लाख रुपये की कमाई की है। इसके साथ ही फिल्म का कुल कलेक्शन 16.63 करोड़ रुपये हो गया है। स्त्री 2 के बाद राजकुमार राव की एक और फिल्म रिलीज हो चुकी है। हालांकि, विक्की विद्या का वो वाला वीडियो को उनकी पिछली फिल्म जैसी सफलता हासिल नहीं हुई है। पहले दिन इस फिल्म ने पांच करोड़ 50 लाख रुपये से कलेक्शन किया। दूसरे दिन फिल्म ने छह करोड़ 90 लाख रुपये की कमाई की। ताजा आंकड़ों के मुताबिक तीसरे दिन फिल्म ने छह करोड़ 31 लाख रुपये बटोरे हैं। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई 18.71 करोड़ रुपये हो गई है।रजनीकांत और अमिताभ बच्चन फिल्म हम के बाद एक साथ बड़े पर्दे पर फिल्म वेट्टैयन के जरिए नजर आए हैं। इस फिल्म को दर्शकों की मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली है। यही वजह है कि टिकट खिड़की पर यह फिल्म जेलर जैसी रफ्तार हासिल नहीं कर सकी है। वेट्टैयन ने पहले दिन 31.7 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। वहीं, दूसरे दिन फिल्म ने 24 करोड़ रुपये बटोरे थे। तीसरे दिन फिल्म के कलेक्शन में थोड़ा उछाल नजर आया था। शनिवार को इसने 26.75 करोड़ रुपये की कमाई की थी। ताजा आंकड़ों के मुताबिक रविवार को फिल्म ने 22.35 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई 104.8 करोड़ रुपये हो गई है।देवरा पार्ट वन भी धीमी रफ्तार के साथ आगे बढ़ रही है। पहले हफ्ते के बाद फिल्म की रफ्तार और भी कम हो चुकी है। पहले सात दिन में इस फिल्म ने 215.6 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। वहीं, दूसरे हफ्ते में यह फिल्म 45.25 करोड़ रुपये की कमाई कर सकी थी। ताजा आंकड़ों के मुताबिक 17वें दिन इस फिल्म ने पांच करोड़ 15 लाख रुपये का कलेक्शन किया है। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई 274 करोड़ रुपये हो गई है।

'बिग बॉस' के ये प्रतिभागी सलमान खान के साथ फिल्मों में कर चुके हैं काम, देखें लिस्ट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। टीवी की दुनिया का सबसे चर्चित शो 'बिग बॉस' है।

यह शो हमेशा सुर्खियों में भी बना रहता है। शो की पॉपुलैरिटी का एक कारण इसके होस्ट सलमान खान भी है। सलमान खान जब भी 'वीकेंड का वार' पर आते हैं, तो अपने आप ही शो की टीआरपी भी बढ़ जाती है। हालांकि, यह शो अपने प्रतिभागियों और उनके बीच होने वाली लड़ाइयों और नोंकझोक के चलते भी चर्चा में रहता है। आज हम शो के उन प्रतिभागियों के बारे में जानेंगे, जो शो के होस्ट सलमान खान के साथ फिल्मों में भी नजर आ चुके हैं। आइए जानते हैं वो कौन-कौन से बिग बॉस के सितारे हैं, जो बॉलीवुड के भाईजान के साथ स्क्रीन साझा कर चुके हैं अभिनेत्री महक चहल साल 2011 में 'बिग बॉस सीजन 5' में बतौर प्रतिभागी नजर आईं। महक चहल फिल्म 'वॉन्टेड' और 'मैं और मिसेज खन्ना' में सलमान खान के साथ काम कर चुकी है।वर्ष 2021 में बिग बॉस सीजन 6 में अभिनेत्री सना खान ने एंट्री मारी। सना ने सलमान खान के साथ फिल्म 'जय हो' में काम किया है। हालांकि, अभिनेत्री अब ग्लैमर की दुनिया को छोड़ चुकी हैं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।